शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 226 | गुवाहाटी | बुधवार, 19 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महाकुंभ आयोजन भगीरथ प्रयास, दुनिया ने देखी विविधता में एकता : पीएम पेज 2
ताई अहोम युवा संगठन ने एसटी दर्जे के लिए 2025 की समय सीमा तय की... पेज 3
केंद्र सरकार और आंदोलनरत किसानों की चंडीगढ़ में बैठक आज पेज 5
न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया, श्रृंखला... पेज 7

ईसी और गृह मंत्रालय की मीटिंग में बड़ा फैसला

वोटर आईडी से लिंक होगा आधार कार्ड

नई दिल्ली। मतदाता पहचान पत्रों में गड़बड़ी के आरोपों से निपटने के लिए चुनाव आयोग ने अब देश भर के मतदाता पहचान पत्रों (इपिक) को आधार से जोड़ने का अहम और बड़ा फैसला लिया है। साथ ही कहा है कि इसे सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही आयोग और आधार तैयार करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के तकनीक विशेषज्ञ मिलकर काम शुरू करेंगे। आयोग के पास वैसे भी मौजूदा समय में 66 करोड़ से अधिक मतदाताओं के आधार मौजूद है, जिसे मतदाता पहचान पत्रों से जोड़ने के लिए मतदाताओं ने स्वैच्छिक रूप से ही आयोग को मुहैया कराया है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को यह फैसला केंद्रीय गृह सचिव, सचिव विधायी विभाग व यूआईडीएआई के सीईओ के साथ लंबी चर्चा के बाद लिया है। इस चर्चा के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधू व डॉ. विवेक जोशी मौजूद थे। इस दौरान मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ने से जुड़े सभी कानूनी और तकनीकी पहलुओं को सामने रखा गया। सूत्रों के मुताबिक इस बीच आयोग ने मतदाता पहचान पत्रों को आधार -शेष पृष्ठ दो पर

माजुली-जोरहाट पुल परियोजना के लिए केंद्र ने दी 1019 करोड़ की मंजूरी

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स./एजे)। असम में ब्रह्मपुत्र नद पर बनने वाले माजुली-जोरहाट पुल के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 1019.16 करोड़ रुपए की संशोधित लागत को मंजूरी दे दी है। एनएच-715के पर बनने वाला 6.8 किलोमीटर लंबा, दो लेन का यह पुल माजुली (उत्तर तट) और जोरहाट (दक्षिण तट) को जोड़ेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि ब्रह्मपुत्र पर बहुचर्चित जोरहाट-माजुली पुल की परियोजना लागत को संशोधित कर 1,019.17 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो पिछले अनुमान से लगभग 94 करोड़ रुपए अधिक है। दो लेन वाले इस पुल का निर्माण कार्य पिछले साल सितंबर से रुका हुआ है, जब इसके ठेकेदार यूपी स्टेट ब्रिज कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएसबीसीएल) ने साइट छोड़ दी थी। काम बीच में छोड़ने का कोई कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रह्मपुत्र पर माजुली और जोरहाट को जोड़ने वाले 2 लेन के पुल के निर्माण के लिए संशोधित लागत अनुमान को @MORTHIndia ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण लिंक को पूरा करने के लिए 1,019.17 करोड़ रुपए की संशोधित लागत को मंजूरी दी है। सीएम ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी इस नई लागत से संबंधित 17 मार्च का कार्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाली-असमिया प्रतिस्पर्धा की जगह परस्पर सम्मान : सीएम

कछार (हि.स.)। असम में बंगाली और असमिया भाषाभाषी समुदायों के बीच रही प्रतिस्पर्धा अब परस्पर सम्मान में बदल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इसका श्रेय बुनियादी ढांचे के विकास और दोनों भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने को दिया है। मंगलवार को सिलचर में देशभक्त तरुण राम फूकन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कई कारणों से असम में बंगाली और असमिया भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा थी। लेकिन हाल के वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा समाप्त होकर आपसी सम्मान में बदल गई है, जिससे दोनों समुदाय -शेष पृष्ठ दो पर

बराक घाटी का औद्योगिक भविष्य भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है : मुख्यमंत्री

सिलचर। बराक घाटी का औद्योगिक विकास भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। मंगलवार को एसएम देव सिविल अस्पताल में 50 बिस्तरों वाले नए क्रिटिकल केयर यूनिट के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि घाटी के तीनों जिलों के उपायुक्तों को औद्योगिक उपक्रमों के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि अब पूरा मामला भूमि की उपलब्धता पर टिका हुआ है। हम भूमि अधिग्रहण से जुड़े किसी विवाद में नहीं उलझना चाहते। हमारा ध्यान इस बात पर है कि हम बराक घाटी के निवेशकों और व्यापारिक घरानों को कितनी भूमि दे सकते हैं। उनकी टिप्पणी विपक्ष, विशेष रूप से अखिल भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर : सुप्रीम कोर्ट के छह जज करेंगे राज्य का दौरा, राहत शिविरों का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। मणिपुर पिछले काफी समय से सुर्खियों में बना हुआ है। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हुई हिंसा ने राज्य में तबाही मचा दी है। इस हिंसा में कई लोगों की मौत हो चुकी है। लंबी अशांति के बाद राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन लग चुका है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के 6 जजों का प्रतिनिधिमंडल राज्य का दौरा करेगा। ये प्रतिनिधिमंडल 22 मार्च को हिंसा प्रभावित मणिपुर में राहत शिविरों में जाएंगा और वहां के हालात के बारे में जानकारी लेगा। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में प्रतिनिधिमंडल कानूनी और मानवीय सहायता को मजबूत करने के लिए ये दौरा करने जा रहा है। इस प्रतिनिधिमंडल में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर शामिल हैं। यह दल कानूनी निगरानी रखेगा और लोगों के अधिकारों की -शेष पृष्ठ दो पर

रुपए ने निकाली डॉलर की हेकड़ी, बन रहा इंटरनेशनल खिलाड़ी!

नई दिल्ली। रुपए में लगातार तीसरे दिन तेजी देखने को मिली है। वहीं दूसरी ओर डॉलर इंडेक्स के करीब 5 महीने के लोअर लेवल पर पहुंच गया है। जिसकी वजह से दुनिया की सबसे मजबूत करेंसी की हेकड़ी निकल गई है और रुपया लगातार दुनिया के बाजार में इंटरनेशनल खिलाड़ी बनता जा रहा है। लगातार तीन कारोबारी दिनों में डॉलर के मुकाबले में रुपए में 0.77 फीसदी यानी 67 पैसे का इजाफा देखने को मिला है। रुपए में तेजी का प्रमुख कारण देश के मजबूत होते मैक्रो इकोनॉमिक डाटा है। वहीं दूसरी ओर डॉलर में लगातार गिरावट का असर भी रुपए की तेजी का कारण बना हुआ है। अगर बात आज की करें तो रुपए में 26 पैसे का इजाफा देखने को मिला है। वैसे पिछले महीने में डॉलर के मुकाबले में रुपया 87.94 के लेवल पर चला गया था। तब से अब तक रुपए में डॉलर के मुकाबले में 1.50 फीसदी से ज्यादा का सुधार देखने को मिल चुका है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में रुपए में डॉलर के मुकाबले और भी ज्यादा सुधार देखने को मिल सकता है। आईए आपको भी बताते हैं कि आखिर डॉलर के मुकाबले में रुपया मंगलवार को किस लेवल पर पहुंच गया है। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच रुपया लगातार तीसरे सत्र में मजबूत हुआ और 26 पैसे की बढ़त के साथ 86.55 (अनंतिम) डॉलर पर बंद हुआ। फॉरेन करेंसी ट्रेडर्स ने कहा कि अमेरिका से निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों के कारण अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई। इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं की मजबूती ने भी रुपए को समर्थन दिया। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने बढ़त को सीमित कर दिया। इंटरबैंक फॉरेन करेंसी एक्सचेंज मार्केट में -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं।

-वृंद

न्यूज गैलरी

संसद ने मणिपुर बजट को मंजूरी दी

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद ने मंगलवार को मणिपुर के बजट और राज्य से संबंधित अनुदान की अनुपूरक मांगों को मंजूरी दे दी है। इसमें चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 51,463 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर का बजट शामिल है। मणिपुर में -शेष पृष्ठ दो पर

गर्भवती हथिनी की हत्या, मांस ले गए शिकारी, गर्भ में मिला गजवत्स

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां शिकारियों ने एक गर्भवती हथिनी की हत्या कर उसका मांस काटकर ले गए। मंगलवार को गुवाहाटी के पास टोपाटोली गांव के ईस्ट एप्रिकोला रिजर्व फॉरेस्ट में उसका सड़ा-गला शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शव करीब 15 दिन पुराना है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हथिनी की हत्या असम- मेघालय सीमा से आए शिकारियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर मुद्दे पर जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। रायसीना डायलॉग 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र ने आक्रमणकारी और पीड़ित को एक ही लाइन पर खड़ा कर दिया। उन्होंने निष्पक्ष यूएन और नई वैश्विक व्यवस्था की वकालत की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने कश्मीर पर पाकिस्तान के आक्रमण को विवाद बना दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कश्मीर के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के कब्जे को दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी अन्य देश द्वारा सबसे लंबे समय तक किया गया अवैध अतिक्रमण करार दिया। जयशंकर ने एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की वकालत की। कश्मीर पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हमलावर और पीड़ित को एक ही -शेष पृष्ठ दो पर

जॉर्ज सोरोस से जुड़ी संस्थाओं पर ईडी का एक्शन, बेंगलुरु में आठ जगहों पर छापामारी

नई दिल्ली। अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े एनजीओ पर रेड हुई है। बेंगलुरु स्थित जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन, ओपन सोरोस फाउंडेशन (ओएसएफ) और एमनेस्टी इंटरनेशनल के दफ्तरों पर ईडी ने छापा मारा। ओएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सूत्रों ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत लाभार्थियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है, जिनमें कुछ अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। एजेंसी ने एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) के पूर्व-वर्तमान -शेष पृष्ठ दो पर

सुनीता विलियम्स व साथियों को लेकर स्पेसएक्स धरती के लिए रवाना

वाशिंगटन। आखिर इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं और अंतरिक्ष में फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर *स्पेसएक्स* का यान धरती के लिए रवाना हो गया है। बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने स्पेसएक्स यान में सवार होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलविदा कहा कि जो पिछले वसंत से उनका घर था। यान तड़के ही *अनडॉक* (अंतरिक्ष स्टेशन से अलग) हो गया और अगर मौसम अनुकूल रहता है तो शाम तक इसके फ्लोरिडा के तट पर उतरने की संभावना है। विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने भारत आने का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय मूल की प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) पर लगभग नौ माह से अधिक समय बिताने के बाद मंगलवार तड़के धरती के लिए रवाना हुए। स्पेसएक्स यान अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से गंतव्य के लिए निकल पड़ा है। ऐसे में उनके सुरक्षित धरती पर वापसी के -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल ने गाजा पर छह घंटे तक बरसाए बम, 326 लोगों की मौत

गाजा पट्टी (हि.स.)। इजराइल ने मंगलवार तड़के गाजा पर किए गए आक्रमण में आतंकवादी समूह हमास के ठिकानों और दहशतगर्दों को निशाना बनाया। इजराइल के सुरक्षा बलों ने करीब छह घंटे तक भीषण बमबारी की है। इस हमले में कम से कम 326 लोगों की मौत हो गई। बमबारी से तमाम घर जमींदोज हो गए हैं। मलबे में दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। इजराइल ने लक्षित क्षेत्र के नागरिकों को तत्काल अन्यत्र जाने की चेतावनी दी है। सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि गाजा पर इजराइल के भीषण हमले में कम से कम 326 लोगों की जान चली गई। अभी भी तमाम लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। मंत्रालय का कहना है कि हमले में 440 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की स्थिति बहुत गंभीर हैं। इस आक्रमण ने इजराइली बंधकों के परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। परिवार के सदस्यों ने इजरायल के प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

महाकुंभ आयोजन भगीरथ प्रयास, दुनिया ने देखी विविधता में एकता : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ के भव्य आयोजन की तुलना भगीरथ के धरती पर गंगा लाने से की। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट और विविध स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि महाकुंभ का आयोजन हमें जल संरक्षण के महत्व का ध्यान कराता है और प्रेरणा देता है की कुंभ की भांति ही हम *नदी उत्सव* मनाए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से बहुत से अमृत निकले हैं। इसमें एकता का अमृत बहुत ही पवित्र प्रसाद है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। प्रयागराज में हमने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है। हमारा दायित्व है कि इस विशेषता का निमंत्रण समृद्ध होती रहे। मोदी ने कहा कि हमने करीब डेढ़ महीने तक भारत में

महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा, असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए कोटि-कोटि श्रद्धालु श्रद्धा भाव से जुटे, ये हमारी बहुत बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपने संबोधन में महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा ने हमें यह आभास कराया कि देश अगले हजार वर्षों के लिए तैयार है। इस वर्ष महाकुंभ के आयोजन ने हमारी सोच को मजबूत किया कि देश की सामूहिक चेतना हमें हमारी क्षमताओं का एहसास कराती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन के माध्यम से देशवासियों, उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश की जनता, प्रयागराज की जनता और देशभर से आए श्रद्धालुओं का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने मॉरीशस की यात्रा के दौरान कुंभ त्रिवेणी संगम के पवित्र जल को वहां गंगा तालाब में मिलाये जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में देश के हर क्षेत्र, हर कोने के लोग आए और अहं त्याग कर वयं के भाव से के साथ प्रयागराज में जुटे।

संसद में दिलीप सैकिया ने की डिजिटल पोर्टल पर नियंत्रण की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। असम से सांसद तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मंगलवार को संसद में देश में तेजी से बढ़ रहे निम्न-स्तरीय डिजिटल और पोर्टल न्यूज चैनलों का मुद्दा उठाया। सैकिया ने कहा कि ये पोर्टल लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा को नुकसान पहुंचा रहे हैं और झूठी व्याख्या के जरिए राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसे डिजिटल न्यूज पोर्टलों को नियमित करने और उनके संचालन पर नियंत्रण के लिए एक नियामक प्राधिकरण (रेगुलेशंस अथॉरिटी) का गठन किया जाए, ताकि गलत सूचना और फर्जी खबरों पर रोक लगाई जा सके।

असम पुलिस ने दो घुसपैठियों को पकड़कर वापस भेजा

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी चौकसी बरतते हुए दो बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ करते समय पकड़ लिया और उन्हें वापस भेज दिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को इस संबंध में जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान इरफान खान और नुरुल अफसर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला कि वे अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI Apollo HOSPITALS

PULMONOLOGIST & RESPIRATORY MEDICINE
DR. A.R. Gayathri Devi
MD,FCCP(USA),FRCP(Glas),European Diploma in Respiratory Medicine
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 29th March'2025

Patients with dust Allergy, Cough/Cold, Phelgm/Wheezing, Shortness of Breath/ Chest Pain, Lung infections/Water or pus in the Lungs, TB/Pneumonia, Sleep disorders, Breathing problems etc can register in advance

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पूसीरे के जीएम ने जिरिबाम-इंफाल रेल लाइन परियोजना का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना के अधीन जिरिबाम-खोंगसांग सेक्शन का गहन निरीक्षण किया। जिरिबाम-खोंगसांग सेक्शन, मणिपुर में रेलवे संपर्क को बढ़ावा प्रदान करने में महत्वपूर्ण 110.625 किलोमीटर लंबी जिरिबाम-इंफाल रेलवे परियोजना का एक हिस्सा है, जो 55.36 किलोमीटर लंबा है। शुरुआत में सितंबर, 2022 में खोला गया यह सेक्शन वर्तमान में आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाली नियमित मालगाड़ियों की सेवाएं खोंगसांग तक प्रदान की जा रही है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने इस सेक्शन में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरंगों, पुलों, ट्रैक और सिग्नलिंग व्यवस्था सहित आधारभूत संसाधनों की विस्तृत समीक्षा की। महाप्रबंधक ने विभिन्न स्टेशनों पर संरक्षा कर्मचारियों के साथ बातचीत कर ट्रैक को सुदृढ़ बनाने, भूस्खलन जैसे भूगर्भीय स्थिरता और सुरक्षा संबंधी मुद्दों सहित प्रमुख चुनौतियों को दूर करने पर जोर दिया। जैसे-जैसे परियोजना आगे बढ़ेगी, खोंगसांग-नोनी (18.25 किलोमीटर) और नोनी-इंफाल (37.02 किलोमीटर) सेक्शनों को आने वाले वर्षों में चालू किया जाएगा। परियोजना पूर्ण होने पर जिरिबाम-इंफाल रेलवे लाइन मणिपुर की कनेक्टिविटी में बदलाव लाएगी, जिससे आर्थिक वृद्धि एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। जिरिबाम-इंफाल नई रेलवे लाइन परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में एक है।

भाजपा विधायक की पोती के अपहरण मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। भाजपा विधायक रमकांत देउरी की पोती के कथित अपहरण मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को मोरीगांव से गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोरीगांव सदर थाना में पीड़िता के परिजन ने कुछ लोगों ने युवती का जबरन अपहरण करने की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद जांच के दौरान गुवाहाटी सिटी पुलिस और गोलाघाट पुलिस के सहयोग से पीड़िता को बरामद की लिया था। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया था, जिनमें एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की भी शामिल थी।

No.TDB/GAD/102/2024-25/1725 *Date 17/03/2025*

INVITATION FOR BIDS

The Block Development Officer, Tamulpur Development Block, Dist- Tamulpur, BTC, Assam invites bid affixing non-refundable Court Tee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Tight and Twenty Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class-I (A, B, C), Class-II or Class-III category registered with Assam PWD (R&B) Irrigation Deptt. for the following work under GAD Deptt. under SOPD fund for the year 2024-25. Tender Box will be available for dropping tender in the Office of the Block Development Officer, Tamulpur Development Block from 18/03/2025 up to 2.00 PM on 09/04/2025 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day) and the lender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (Rs.)	Time of Completion	Tender Cost & Earnest Money & Date offender
1	construction of Namghar Building at barbelbari Sri Sri Jagannath Than, Barbelbari	19,87,653.00	180 days from the date of issue of final work order	1. Tender cost @ 0.03% of A/A amount to be pledged by Bank draft in favour of Principal Secretary, BTC. 2. Earnest money @ 2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block 3. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.
2	Construction of Kalbari Bathou mandir under SOPD, BTC fund for the year 2024-25	19,88,169.00		

Details NIT may be seen al Office of the B.D.O Tamulpur Development Block, Tamulpur, Dist- Tamulpur.

Sd/-
Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)-2023-24/1632

पृष्ठ एक का शेष

वोटर आईडी से लिंक...

से जोड़ने के लिए तैयार किए एप्लीकेशन के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि इससे किसी भी तरह का डाटा एक-एक दूसरे के साथ साझा नहीं होगा। यह सिर्फ मतदाताओं को प्रमाणित करेगी। साथ ही फर्जी और गलत तरीके से कई बार जोड़े गए मतदाताओं की पहचान को सामने लाएगी। आधार से ईपिक के जुड़ने से मतदाताओं को भी लाभ होगा। दरअसल, मूलभूत सुविधाओं की प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति तब आधार में अपना पता बदल लेता है लेकिन ईपिक को बदलने की कोशिश बहुत कम करते हैं। आधार से जुड़ने के बाद इपिक में बदलाव भी आसान हो जाएगा। आयोग ने बैठक में लोक प्रतिनिधित्व कानून के अनुच्छेद 326 का भी हवाला दिया और कहा कि इसके तहत वोट देने का अधिकार सिर्फ उसी को मिल सकता है जो देश का नागरिक हो। और यह बात सिर्फ आधार से प्रमाणित हो सकती है। यही वजह है कि इसे आधार जोड़ना जरूरी है। आयोग के मुताबिक इस फैसले से पहले संविधान से जुड़ी धारा 23(4) (5) और (6) के भी कानूनी पहलुओं को देखा गया है। साथ ही इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले को भी ध्यान में रखा गया है जिसमें आधार को आवश्यक नहीं किया गया था। आयोग के सूत्र मानकर चल रहे हैं कि आधार से इपिक के जोड़ने के लाभ को देखते हुए मतदाता खुद ही इसके लिए आगे आएंगे। मतदाता पहचान के आधार से जुड़ने पर ये मिलेगा फायदा, मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियां खत्म होगी। मतदाताओं की एक प्रमाणित सूची देश के सामने आएगी। मतदाता सूची में फर्जी नामों से कोई नहीं जुड़ सकेंगे। राजनीतिक दलों की शिकायतें खत्म हो जाएगी। मतदाता सूची में अलग-अलग जगहों से कोई जुड़ नहीं सकेगा। यानी दो जगहों से नहीं जुड़े पाएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में मौजूदा समय में 99 करोड़ से अधिक मतदाता है। इनमें से 66 करोड़ से अधिक के आधार आयोग के पास स्वैच्छिक रूप से ही उपलब्ध है। हालांकि अभी इसे मतदाता पहचान पत्रों से लिंक नहीं किया गया है। ऐसे में इस प्रक्रिया में आयोग को सिर्फ बाकी के 33 करोड़ मतदाताओं के ही आधार जुटाने की नई चुनौती रहेगी। जिसे जल्द ही हासिल कर लिया जाएगा। मतदाता पहचान पत्र को आधार से लिंक करने का काम ट्रायल के तौर पर 2015 में शुरू किया गया था।

माजुली-जोरहाट पुल...

ज्ञापन भी साझा किया। माजुली के दक्षिणपत में एनएच-715के पर ब्रह्मपुत्र पर तत्काल पहुंच सहित 8.25 किलोमीटर माजुली-जोरहाट पुल के निर्माण के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पहले 925.47 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। नवंबर 2021 में शर्मा ने ब्रह्मपुत्र पर पुल के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया था। राज्य सरकार ने परियोजना की प्रगति की नियमित निगरानी के लिए एक कैबिनेट समिति का गठन किया था, जिसे नवंबर 2025 तक चालू किया जाना था। माजुली को मुख्य भूमि से जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फरवरी 2016 में ब्रह्मपुत्र पर एक पुल की आधारशिला रखी थी, जो नदी के द्वीप के माध्यम से दक्षिण तट पर जोरहाट और उत्तरी तट पर लखीमपुर को जोड़ता है। इसी परियोजना के लिए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2021 में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले फिर से आठ किलोमीटर लंबे जोरहाट-माजुली पुल की आधारशिला रखी।

बंगाली-असमिया प्रतिस्पर्धा ...

अपनी-अपनी भाषाओं का सहजता से उपयोग कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद असम के बराक और ब्रह्मपुत्र घाटी के बीच संबंधों को मजबूत करने वाले परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने मीटर गेज रेलवे को ब्रॉड गेज में बदलने और बेहतर सड़क संपर्क को इस बदलाव का एक प्रमुख कारक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा असमिया और बंगाली दोनों को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के फैसले को भी मुख्यमंत्री ने इस बदलाव की एक अहम वजह बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस निर्णय के बाद इन भाषाओं की उत्पत्ति को लेकर बौद्धिक वर्ग में चर्चाओं को नई दिशा मिली है और दोनों भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा कम हुई है। इससे पहले, डॉ. शर्मा ने एक ट्वीट में भी इस बदलाव को रेखांकित करते हुए लिखा था कि अब वह दौर खत्म हो गया जब ब्रह्मपुत्र और बराक घाटी के लोगों के बीच असंतोष था। हमारी सरकार ने दोनों क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित किया है और असमिया एवं बांग्ला दोनों को समान सम्मान मिला है। आज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और औद्योगिक कौशल से जुड़े नए पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा भी की।

बराक घाटी का औद्योगिक ...

तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की आलोचना के बीच आई है, जिसने उनकी सरकार पर हाल ही में संपन्न *एडवांटेज असम 2.0: निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन* के दौरान बराक घाटी को दरकिनार करने का आरोप लगाया है। एआईटीसी नेता और राज्यसभा सांसद सुस्मिता देव ने 3 मार्च को शिखर सम्मेलन में बराक घाटी की व्यापार क्षमता को उजागर करने में विफल रहने के लिए, सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने दावा किया कि लगभग 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल करने के बावजूद, दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार के लिए इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया। इससे पहले, सिलचर में रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बराक घाटी के लिए विकास पहलों की एक श्रृंखला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सेवाश्रम के लिए 9 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जिसमें इसके परिसर में बनने वाले अस्पताल के लिए 5 करोड़ रुपए शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सिलचर के बाहरी इलाके में जिला आयुक्त के आगामी एकीकृत कार्यालय के समीप 23.75 करोड़ की लागत से एक नए क्रिटिकल केयर यूनिट और 26 करोड़ की लागत से एक सर्किट हाउस के निर्माण की भी पुष्टि की। शर्मा ने कहा कि जब ये प्रशासनिक कार्यालय नगर निगम की सीमा से बाहर स्थानांतरित हो जाएंगे, तो शहर में यातायात की भीड़भाड़ में काफी कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने सिविल अस्पताल में 200 बिस्तरों वाली नई सुविधा की योजना का खुलासा किया और आश्वासन दिया कि लंबे समय से प्रतीक्षित सिलचर फ्लाईओवर का प्रारंभिक कार्य अपने अंतिम चरण में है, तथा इसके कार्यान्वयन में स्थानीय सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मणिपुर : सुप्रीम कोर्ट ...

रक्षा सुनिश्चित करेगा। साथ ही, हिंसा से प्रभावित लोगों की स्थिति का जायजा भी लेगा। साल 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा चल रही है। जिसकी वजह से राज्य में जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। हिंसा के कारण कई लोग विस्थापित हुए हैं। विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि कई लोग संसाधनों, इलाज और कानूनी मदद के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार मणिपुर शांति स्थापित करने की हर संभव कोशिश कर रही है। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के आर्थिक विकास के लिए सभी तरह का समर्थन देने का आश्वासन दिया।

रुपए ने निकाली डॉलर ...

रुपए में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 86.71 पर खुला और फिर इंट्राडे के उच्चतम स्तर 86.54 और निम्नतम स्तर 86.78 पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया सत्र के अंत में 86.55 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 26 पैसे की बढ़त दर्शाता है। सोमवार को रुपया 24 पैसे बढ़कर 86.81 डॉलर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे बढ़कर 87.05 पर बंद हुआ। होली के अवसर पर शुक्रवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद रहा। रुपए में लगातार तीसरे दिन बढ़त दर्ज की गई, इस दौरान इसमें 67 पैसे की बढ़ोतरी हुई। इसका मतलब है कि रुपए में बीते तीन दिनों में 0.77 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है। वहीं जनवरी के महीने के लोअर लेवल 87.94 को देखें तो तब से अब तक रुपए में डॉलर के मुकाबले में 1.58 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सकारात्मक वैश्विक इक्विटी और कमजोर अमेरिकी मुद्रा के कारण रुपया सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और एफआईआई की निकासी तेज उछाल को रोक सकती है। व्यापारी अमेरिका से औद्योगिक उत्पादन और आवास क्षेत्र के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। चौधरी ने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक से पहले निवेशक सतर्क रह सकते हैं, उन्होंने कहा कि यूएसडी-आईएनआर स्पॉट कीमत 86.3 से 86.80 के बीच कारोबार करने की उम्मीद है। इस बीच, छह मुद्राओं की टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.32 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रू ड वायदा कारोबार में 1.31 प्रतिशत बढ़कर 72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। भंसाली ने कहा कि घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर भारत का व्यापार घाटा साढ़े तीन साल के निचले स्तर पर आ गया है, लेकिन चिंता की बात यह है कि निर्यात में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि आयात में भी 20 महीनों में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जो मुख्य रूप से तेल आयात और सोने के आयात में गिरावट के कारण हुई। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 2 अप्रैल को व्यापक पारस्परिक शुल्क और क्षेत्र-विशिष्ट व्यापार प्रतिबंध लगाने की योजना रुपए पर और दबाव डाल सकती है, व्यापारियों ने कहा। घरेलू इक्विटी बाजार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,131.31 अंक या 1.53 प्रतिशत बढ़कर 75,301.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 325.55 अंक या 1.45 प्रतिशत बढ़कर 22,834.30 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को शुद्ध आधार पर 4,488.45 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

गर्भवती हथिनी की...

की थी। शव से कुछ हिस्सा काटा गया था, जिससे स्पष्ट है कि शिकारी उसका मांस ले गए। बताया जा रहा है कि गर्भस्थ शावक अभी भी मौजूद था। वन विभाग ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही, मेघालय वन विभाग को भी सूचना दी गई है ताकि इस मामले की तह तक पहुंचा जा सके। इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण से जुड़े संगठनों को झकझोर कर रख दिया है। लोग आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग कर रहे हैं। बता दें, हाथियों के बच्चे को गजवत्स कहते हैं। असम में हाथियों के शिकार के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार गर्भवती हथिनी को मारकर उसका मांस ले जाना वन्यजीव अपराधियों की बढ़ती हिम्मत को दर्शाता है। वन विभाग ने कहा है कि दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कश्मीर मुद्दे पर ...

श्रेणी में रखा गया है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया भर में किसी क्षेत्र पर सबसे लंबे समय तक अवैध कब्जे का अनुभव भारत ने कश्मीर में किया। उन्होंने कहा कि 1947 में जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा बन गया। इसके बाद पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर पर एकतरफा आक्रमण किया। तब से पाकिस्तान ने भारत के कुछ हिस्से पर कब्जा कर रखा है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि पाकिस्तान के कब्जे के बाद हम संयुक्त राष्ट्र गए। यूएन ने पाकिस्तान के अवैध कब्जे की निंदा न करके बहुत बड़ी गलती की। उसने आक्रमण को विवाद में बदल दिया। हमलावर और पीड़ित के साथ एक समान व्यवहार किया गया। उन्होंने एक नई वैश्विक व्यवस्था की मांग उठाई और कहा कि वैश्विक मानदंडों और नियमों को समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। हमें एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है। मगर एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र के लिए एक निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता होगी। रायसीना डायलॉग का आयोजन 17 से 19 मार्च तक दिल्ली में किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन इसे आयोजित कर रहा है। यह भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख सम्मेलन है।

जॉर्ज सोरोस से जुड़ी ...

कर्मचारियों के घरों की भी तलाशी ली। ईडी की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि सोरोस ओएसएफ को 2016 में गृह मंत्रालय द्वारा प्रायर रेफरेंस कैटेगरी (पूर्व संदर्भ श्रेणी) में रखा गया था। जिससे इसे भारत में एनजीओ को बिना नियमन के दान देने से रोका गया था। इस प्रतिबंध से बचने के लिए, ओएसएफ ने भारत में अपनी सहायक कंपनियों के जरिए एफडीआई और कंसल्टेंसी फीस के नाम पर पैसे लाए और इन फंड्स का उपयोग एनजीओ की गतिविधियों को फंडिंग करने के लिए किया गया जो कि फेमा का उल्लंघन है। ईडी सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) और ओएसएफ द्वारा लाए गए अन्य एफडीआई फंडों के अंतिम इस्तेमाल की भी जांच कर रहा है। ईडी की तलाशी में मेसर्स एस्पाडा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर भी तलाशी शामिल थी, जो भारत में एसईडीएफ का निवेश सलाहकार/फंड मैनेजर है और मॉरीशस इकाई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

सुनीता विलियम्स व ...

अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण वे लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए थे। रविवार को विल्मोर और विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए *स्पेसएक्स* का यान अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। विल्मोर ने रविवार को अंतरिक्ष स्टेशन का *हैच* खोला और इसके बाद एक के बाद एक चारों नए यात्री अंदर आए। अंतरिक्ष में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने नए साथियों का स्वागत उनसे गले मिलकर और हाथ मिलाकर किया। विलियम्स ने *मिशन कंट्रोल* से कहा कि यह एक शानदार दिन है। अपने दोस्तों को यहां देखकर बहुत खुशी हुई।

पीएम मोदी ने भारत...

लिए भारत सहित पूरी दुनिया प्रार्थना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को लिखा एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि भारत के लोग सुनीता विलियम्स के अच्छे स्वास्थ्य और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सुनीता को भारत आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि वह स्वयं सुनीता से मिलने के लिए उत्सुक हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। प्रधानमंत्री ने यह भावुक पत्र गत 1 मार्च को लिखा था। पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने सुनीता की उपलब्धियों पर गर्व जताया और उनकी वापसी के लिए 1.4 अरब भारतीयों की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा कि हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी प्रेरणादायक दृढ़ता और संकल्प को प्रदर्शित किया है। भले ही आप हजारों मील दूर हों, आप हमारे दिल के करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मोदी ने यह भी बताया कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जो बाइडन से अपनी मुलाकातों के दौरान सुनीता की कुशलता के बारे में पूछताछ की थी। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में दिल्ली में नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मुलाकात का जिक्र किया, जहां सुनीता का नाम चर्चा में आया था। इस मुलाकात के बाद उन्हें सुनीता को पत्र लिखने की प्रेरणा मिली। पत्र में मोदी ने सुनीता को भारत आने का निमंत्रण भी दिया, जिसमें लिखा कि आपके वापस आने के बाद, हम आपको भारत में देखने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे प्रतिष्ठित बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। उन्होंने सुनीता की मां बोनी पंड्या और उनके पति माइकल विलियम्स को भी शुभकामनाएं दीं, साथ ही उनके दिवंगत पिता दीपक पंड्या को याद किया, जिनसे वे 2016 में अमेरिका यात्रा के दौरान मिले थे। उल्लेखनीय है कि सुनीता और उनके सहयात्री बुच विल्मोर 9 महीने से अधिक समय तक आईएसएस पर रहने के बाद मंगलवार को सुबह 11:05 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर की वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से हो रही है। उनकी लैंडिंग 19 मार्च को सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा तट पर होने की उम्मीद है। यह लैंडिंग मौसम और तकनीकी तैयारियों पर निर्भर है। भारतीय मूल की प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता लिन विलियम्स नासा की एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं।

इजराइल ने गाजा...

बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य अधिकारियों से मिलने की मांग की है। बंधकों और लापता परिवारों के फोरम ने कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री यह गारंटी दें कि हमास बंधकों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इससे पहले सात अक्तूबर, 2023 को हमास ने कुल 251 लोगों को इजराइल से अगवा किया था। इजराइली सरकारी प्रेस कार्यालय के अनुसार, गाजा में बचे 59 बंधकों में से आधे से भी कम जीवित हैं। इजराइली सेना ने गाजा में बड़े आक्रमण की घोषणा की है और कई इलाकों में नागरिकों को बाहर निकलने का आदेश दिया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह आदेश दिया है। पोस्ट में गाजा का एक नक्शा भी दिखाया गया था, जिसमें एन्क्लेव के इलाकों के बड़े हिस्से को लाल रंग से रंगा गया है। उन्होंने निवासियों से पश्चिमी गाजा शहर और खान यूनिस में आश्रयों में जाने का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने गाजा पर व्यापक और घातक इजराइली हवाई हमले पर चिंता व्यक्त की है। बीजिंग ने इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम की वापसी का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन मौजूदा स्थिति को लेकर बेहद चिंतित है।

संसद ने मणिपुर ...

वर्तमान में राष्ट्रपति शासन लागू है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के राज्यसभा में इन पर चर्चा और जवाब के बाद इन्हें ध्वनिमत से पारित कर लोकसभा को लौटा दिया। संसद ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1,291 करोड़ रुपए की अतिरिक्त अनुदान मांगों और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में मणिपुर के लिए 1,861 करोड़ रुपए की अनुपूरक अनुदान मांगों को भी मंजूरी दी। इसके साथ राज्यसभा ने चार विधेयकों को लोकसभा को वापस भेज दिया है। सीतारमण के चार विधेयकों पर चर्चा के जवाब के बाद राज्यसभा ने विनियोग विधेयक, 2025; विनियोग (सं. 2) विधेयक, 2025; मणिपुर विनियोग (लेखानुदान) विधेयक, 2025; और मणिपुर विनियोग विधेयक, 2025 को वापस कर दिया। लोकसभा ने पिछले हफ्ते ही 11 मार्च को अनुदानों की अनुपूरक मांगों और मणिपुर बजट 2025-26 को पारित कर दिया था। वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान सदन को बताया कि अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच में सरकार द्वारा मांगे गए सकल अतिरिक्त व्यय की राशि 6.78 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, जिसमें से 6.27 लाख करोड़ रुपए बचत और प्राप्तियों से पूरा किया जाएगा। अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा शुद्ध अतिरिक्त व्यय 51,462.86 करोड़ रुपए होगा। उन्होंने बताया कि अनुदान की मांगों में 5.54 लाख करोड़ रुपए का तकनीकी अनुपूरक शामिल है, जो कर की अदायगी के लिए जाता है। मणिपुर बजट में कुल 35,368 करोड़ रुपए की प्राप्तियां हैं, जबकि कुल व्यय 35,104 करोड़ रुपए अनुमानित है। राज्य का अपना कर करीब 2,634 करोड़ रुपए और गैर-कर लगभग 400 करोड़ रुपए है।

ताई अहोम युवा संगठन ने एसटी दर्जे के लिए 2025 की समय सीमा तय की, मजबूत आंदोलन की चेतावनी दी

शिवसागर। ताई अहोम युवा परिषद असम (टीएवाईपीए) ने ताई अहोम समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के लिए सरकार को 2025 तक की समय सीमा तय की है और चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे तीव्र विरोध प्रदर्शन करेंगे। मंगलवार को संगठन के सदस्य शिवसागर की सड़कों पर उतर आए और अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर सह-जिला आयुक्त कार्यालय के बाहर एक विशाल रैली निकाली। *नो एसटी, नो रेस्ट* लिखी तख्तियां थामे हुए बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा प्रदर्शन पर आए और सरकार पर समुदाय के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। टीएवाईपीए के अध्यक्ष दिगंत तामुली ने झूठे वादों के साथ समुदाय को गुमराह करने के लिए सरकार की आलोचना की। तामुली ने कहा कि एसटी दर्जे के नाम पर सरकार से हमें जो कुछ मिला है, वह सब धोखा है। हम चाहते हैं कि 2025 तक हमें यह दर्जा मिल जाए। हम अनिश्चित काल

तक इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने छठी अनुसूची के लाभों की मांग भी दोहराई, जो कुछ आदिवासी समुदायों के लिए स्वायत्तता और विकास सुनिश्चित करती है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि जब हम गांवों या ग्रामीण इलाकों में विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो हमारी आवाज को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इसलिए हम सह-जिला आयुक्त कार्यालय के ठीक बाहर यहां हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी मांगें सुनी जाएं। तामुली ने याद दिलाया कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ताई अहोम समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग की तुलना ऐतिहासिक सरायघाट युद्ध से की थी, लेकिन वोट हासिल करने के बाद वे अपने वादों को भूल गए। तामुली ने कहा कि उन्होंने हमारे आंदोलन को सरायघाट की दूसरी लड़ाई कहा। अब उन्होंने हमें छोड़ दिया है। उन्होंने धमकी दी कि अगर सरकार उनकी मांग को नजरअंदाज करती रही तो वे राजनीतिक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का सबूत है कि हमने 2016 में तरुण गोगोई की सरकार को वोट देकर सत्ता से बाहर कर दिया था क्योंकि उन्होंने हमें एसटी का दर्जा नहीं दिया था। अगर यह सरकार वही गलती दोहराती है, तो हम सुनिश्चित करेंगे कि उनका राजनीतिक सफाया हो जाए। सरायघाट की लड़ाई की भावना को अहोम युवाओं से बेहतर कोई नहीं समझ सकता। एसटी दर्जे की मांग सिर्फ ताई अहोम समुदाय तक सीमित नहीं है। पांच अन्य समुदाय- मोरान, मटक, चुटिया, आदिवासी (चाय जनजाति) और कोच-राजबोंगशी- भी इसी मान्यता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार को असम सरकार की ओर से इन छह समुदायों को एसटी श्रेणी में शामिल करने का प्रस्ताव मिलने के बाद, चल रहे बजट सत्र के दौरान संसद में यह मुद्दा उठाया गया था। हालांकि, अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

गौहाटी हाईकोर्ट ने पहाड़ी कटाई और कृत्रिम बाढ़ को रोकने के लिए असम सरकार से कार्ययोजना मांगी

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को गुवाहाटी और आसपास के क्षेत्रों में अनियंत्रित पहाड़ी कटान को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्यौरा देने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति एन उन्नी कृष्णन नायर की खंडपीठ ने गुवाहाटी की कृत्रिम बाढ़ समस्या के संबंध में नॉर्थ ईस्ट इको डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए पारित किया। सुनवाई के दौरान असम सरकार ने एक हलफनामा दायर कर इस मुद्दे के समाधान के लिए चल रही पहलों का विवरण दिया। शहरी मामलों के विभाग ने अदालत को बताया कि गुवाहाटी के लिए जीआईएस आधारित व्यापक जल निकासी मास्टर प्लान विकसित करने के लिए एक कंसल्टेंसी फर्म को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, बहिनी नदी के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के साथ-साथ एक स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और तूफानी जल नालों की सूची भी तैयार की जा रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कमल नयन चौधरी ने न्याय मित्र की भूमिका निभाते हुए गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) के पूर्व सीईओ की सिफारिशें प्रस्तुत कीं। इन सुझावों में शामिल हैं: बाढ़ की समस्या का समाधान होने तक निचले इलाकों में निर्माण की अनुमति पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। यह सुनिश्चित करना कि ग्रेटर गुवाहाटी के सभी आरक्षित वन क्षेत्र अतिक्रमण से मुक्त हों। निर्माण गतिविधियों को विनियमित करने के लिए टीआरए (नगर एवं क्षेत्रीय

प्राधिकरण) क्षेत्राधिकार से बाहर की भूमि का सर्वेक्षण करना। अदालत ने इन सुझावों पर गौर किया और असम सरकार को निर्देश दिया कि वह इन्हें बाढ़ नियंत्रण योजना में शामिल करे। असम के महाधिवक्ता देबोजीत सैकिया ने माना कि अनियंत्रित पहाड़ी कटाई और खनन शहर में कृत्रिम बाढ़ के प्राथमिक कारणों में से एक थे। उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इन प्रथाओं को रोकने के उपायों पर काम कर रही है। इस मुद्दे की तात्कालिकता पर बल देते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई को रोका जाना चाहिए और असम सरकार को पहाड़ों पर खनन को रोकने के लिए की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई में अदालत के निर्देशों पर सरकार की प्रतिक्रिया का आकलन किए जाने की उम्मीद है।

असम में 12 हजार महिलाएं एक साथ गाएंगी बियानाम, तैयारियां जोरों पर

जोरहाट (हिंस)। असम में पारंपरिक बियानाम को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने और नई पीढ़ी को इसके प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से एक अनोखा आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए राज्यभर में व्यापक तैयारियां चल रही हैं। इस कार्यक्रम में 12 हजार महिलाएं एक बियानाम गाएंगी। टियोक में रूपरेखा बरुवा के संरक्षण में होने वाले इस गायन का आयोजन असम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार आगामी 6 अप्रैल को डिमौ में आयोजित इस कार्यक्रम में असम के सादिया से लेकर धुबड़ी तक की लगभग 12 हजार महिलाएं एक साथ बियानाम प्रस्तुत कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगी। इन महिलाओं को प्रसिद्ध बियानाम गायिका संगीता बोरा प्रशिक्षण दे रही हैं। कार्यशाला में असम के कई नामचीन कलाकारों से बियानाम संकलित किए गए हैं और 31 मिनट की विशेष प्रस्तुति के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर असम के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने जोरहाट-माजुली पुल निर्माण फिर से शुरू करने का दिया भरोसा

गुवाहाटी (हिंस)। जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई ने असम के जोरहाट-माजुली पुल निर्माण की कथित धीमी प्रगति को लेकर सवाल उठाने के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के राज्यमंत्री अजय टम्टा ने पुल का निर्माण कार्य फिर से शुरू करने का भरोसा दिया है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने इस आशय का एक पत्र सांसद गोगोई को लिखा है। दरअसल, सांसद गौरव गोगोई लंबे समय से इस पुल के निर्माण कार्य में हो रही कथित देरी को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। स्थानीय जनता भी इस पुल के शीघ्र निर्माण की मांग कर रही है। यह माजुली द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। इस पुल के निर्माण को लेकर सांसद गोगोई ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को पत्र लिखा था।

गुवाहाटी-दिल्ली और गुवाहाटी-चेन्नई रेलमार्ग का नाम महापुरुषों के नाम पर रखें : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने गुवाहाटी-दिल्ली-गुवाहाटी और गुवाहाटी-चेन्नई-गुवाहाटी रेलमार्ग का नामकरण महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और महापुरुष माधवदेव के नाम पर करने का आग्रह किया है। सांसद ने कहा कि असम के इन दो लंबी दूरी की रेल सेवाओं का नामकरण महापुरुषों के नाम पर किया जाना चाहिए, क्योंकि उनका योगदान असम और भारत की संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। सांसद सैकिया ने संसद में रेलवे मंत्रालय के 2025-26 की अनुदान मांगों पर हुई बहस में भाग लेते हुए यह मांग उठाई। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र दरंग- उदालगुड़ी में रेल संपर्क की कमी, नई रेल सेवाओं की आवश्यकता और कोविड काल में बंद हुए रेलवे स्टॉपेज को पुन: शुरू करने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि दरंग जिला अब भी रेल कनेक्टिविटी से वंचित है, जिससे आम जनता को यात्रा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले भी वे व्यक्तिगत बैठकों, संसदीय चर्चाओं और रेल मंत्री को पत्र लिखकर यह मांग उठा चुके हैं। सैकिया ने कोविड-19 महामारी के दौरान बंद किए गए रेलवे स्टॉपेज को फिर से शुरू करने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने विशेष रूप से खैराबाड़ी, डेकारगांव, गोरेश्वर, माझबाट, टंगला और उदालगुड़ी रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की बहाली की मांग की, ताकि स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिले। सांसद ने डिब्रूगढ़-गुवाहाटी रेलमार्ग पर एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक तेज और आधुनिक यात्रा का विकल्प बनेगी। इसके अलावा, गुवाहाटी-जगदलपुर (उड़ीसा) के बीच एक नई सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग भी सांसद ने उठाई। उन्होंने कहा कि इससे असम और उड़ीसा के बीच संपर्क मजबूत होगा और असम में रहने वाले उड़िया समुदाय की यात्रा सुविधाएं बेहतर होंगी।

दरंग को शीघ्र ही रेलमार्ग से जोड़ा जाएगा : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम के दरंग जिले को रेलवे मानचित्र में शामिल करने की मांग को लेकर भाजपा सांसद तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मंगलवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दरंग को रेलवे नेटवर्क में शामिल करना क्षेत्र के लोगों का सपना था, जिसे पूरा करने के लिए वे छह वर्षों से लगातार सरकार और रेल मंत्रालय के समक्ष यह मुद्दा उठा रहे थे। रेल मंत्री ने इस बैठक के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की और आश्वासन दिया कि जल्द ही दरंग को रेलवे मानचित्र में शामिल किया जाएगा। दिलीप सैकिया ने इसे एक सकारात्मक और सार्थक बैठक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह मांग जल्द पूरी होगी। इसके अलावा, उन्होंने रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू से भी मुलाकात की, जिसमें कई स्थानीय प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस दौरान राज्य मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा समर्थकों पर लगाया कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने राज्य में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भाजपा समर्थकों द्वारा किए जा रहे हमलों और अत्याचारों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ समर्थक कानून को अपने हाथ में लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले कर रहे हैं, जिससे यह साबित होता है कि राज्य में गृह मंत्री का कोई अस्तित्व नहीं है। भूपेन बोरा ने एक बयान में आरोप लगाया कि हाल ही में जोनाई विधानसभा क्षेत्र के बगोरी चापोरी इलाके में पंचायत की तैयारी बैठक में शामिल होने जा रहे कांग्रेस के पांच नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भाजपा समर्थकों ने बर्बरतापूर्वक हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले का शिकार होने वालों में असम प्रदेश कांग्रेस के एससी विभाग के सचिव बिक्रम रामसियारी, मुकैंगसेलेंग ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तुलिराम दोलै, धेमाजी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रहीम पेगू समेत पांच नेता शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह हमला बैठक के दौरान ही हुआ। कांग्रेस के अनुसार इसमें स्थानीय विधायक भुवन पेगू की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि राज्य में पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर भाजपा कार्यकर्ता इस तरह के हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, जो गृह विभाग के भी प्रभारी हैं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने राज्य पुलिस की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन जानबूझकर हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक संगठित होने और बीजेपी सरकार के अन्याय और अनियमितताओं के खिलाफ आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

एसएसबी ने ने *शांति और दोस्ती राइड* के तहत पर्वतारोही सबिता महतो व शुभम का किया स्वागत

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी के द्वारा *शांति और दोस्ती राइड* में साइकिल चालक, पर्वतारोही सबिता महतो और शुभम पारकी को बिसमुरी, कोकराझाड़ में फूल माला व गुलदस्ता के साथ हार्दिक स्वागत किया गया। वहीं इनके द्वारा बताया गया कि साइकिलिंग यात्रा हमारे देश के बॉर्डर जवानों को समर्पित है। हम इसमें युवाओं को नशे से दूर रहने, साइकिलिंग के लाभ इसमें हम युवाओं को यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि आप नशे से दूर रह कर अपने जुनून के लिए रोज समर्पित रहे। उन्होने यह भी बताया कि यह यात्रा एक प्रकार से रिकार्ड अटेम्प्ट भी है। इसके उपरांत उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आगे 15वीं वाहिनी एससीब काजलगांव के तरफ प्रस्थान किया। यह अभियान कच्छ, गुजरात के तहत नेपाल, भूटान से होते हुए मिजोरम तक 8000 की दूरी पर समाप्त कि जाएगी। दूसरी ओर वाहिनी के चिकित्सक डॉ. ई. चौबा सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में सीमा चौकी सोनापुर के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती कार्यक्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सोनापुर के देवालगुरी में आयोजित किया गया। जिसमें सीमा चौकी सोनापुर के अंतर्गत आने वाले गांवों के पशुधन को चिकित्सा उपचार एवं दवाइयां वितरण की गई। इस नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर में कुल 25 मवेशियों की जांच/उपचार तथा दवाइयां वितरण कराई गई। इस कार्यक्रम में सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल, के द्वारा आयोजित की गई पशु चिकित्सा शिविर की सराहना की।

पियाजा के होली उत्सव में शामिल हुए 2,500 से अधिक लोग

गुवाहाटी। शहर के प्रमुख कैफे बार, पियाजा ने अपने सिग्नेचर एक्सपीरियंस पहल के तहत एक अविस्मरणीय होली समारोह का आयोजन किया, जिसमें जीवंत रंग, विद्युतीय संगीत और 2,500 से अधिक उत्साही लोगों की भीड़ शामिल थी। इवेंट महाराज और असम पर्यटन द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम मचखोवा, फैंसी बाजार में ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट पर लाचित घाट के पास ब्रह्मपुत्र कार्निवल के शानदार स्थल पर आयोजित किया गया था। तीन महीने तक चलने वाले ब्रह्मपुत्र कार्निवल के भव्य समापन के रूप में, होली के इस भव्य आयोजन ने शानदार होली एसएफएक्स शो और शानदार भोजन के साथ उपस्थित लोगों को रोमांचित किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डीजे की एक असाधारण लाइनअप देखी गई, जिन्होंने पूरे दिन ऊर्जा को बनाए रखा। विशेष आकर्षणों में मुंबई के हाल ही में वायरल डीजे सनसनी सुग्गा हनी और यूक्रेन के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित डीजे ओला रास का प्रदर्शन शामिल था, जिनकी धुनों ने माहौल को रोमांचित कर दिया। पियाजा की मालिक डॉली हजारिका ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने होली उत्सव को मिली अविश्वसनीय प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। लोगों की ऊर्जा और उत्साह ने इस कार्यक्रम को एक बड़ी सफलता बना दिया। हम प्रतिभागियों, सरकारी प्रशासन और विशेष रूप से असम पर्यटन विभाग को उनके अटूट समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं। यह तो बस शुरुआत है, हम वादा करते हैं कि अगले साल हम इससे भी ज्यादा शानदार आयोजन के साथ लौटेंगे। संस्कृति, संगीत और उत्सव के बेजोड़ मिश्रण के साथ, पियाजा के होली कार्यक्रम ने शहर के उत्सव परिदृश्य में एक नया मानक स्थापित किया है, जिससे उपस्थित लोग अगले आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत

गुवाहाटी। गुवाहाटी के युवक की नलबाड़ी में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, युवक की पहचान बेलतला बनगांव के हेमंत सिंह (30) के रूप में हुई है, हादसा आज सुबह करीब 8 बजे की है जब हेमंत अपने माता पिता के साथ बिहार से अपनी कार एएस 01 बीजे 2222 को लेकर गुवाहाटी आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उसके सामने वाली गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिसके कारण कार अनियंत्रित हो गई और सामने वाली गाड़ी से टकरा गई और गाड़ी चला रहे हेमंत को गंभीर रूप से चोट आई लोग उसे आनन फानन अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया, वहीं गाड़ी में बैठे अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं जिन्हें उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी लाया गया है।

रंगिया में नशा के खिलाफ विद्यार्थियों का प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। रंगिया में कामरूप जिला छात्र संस्था के नेतृत्व में आज प्रतिवादी प्रदर्शन किया गया। ड्रग्स और नशे की सामग्री बंद कराने की मांग को लेकर सैकड़ों छात्रों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। कामरूप जिला छात्र संस्था के सचिव तौफिकुर रहमान, केंद्रीय कार्यकरी सदस्य भवज्योति डेका के नेतृत्व में रंगिया शहर के बीच से जुलुस प्रदर्शन निकाला गया। सदौ असम छात्र संस्था, असम उन्नति सभा और असम सेना के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन कार्यक्रम के द्वारा सरकार और प्रशासन को यह संदेश दिया गया कि कुछ लोगों को गिरफ्तार करने से काम नहीं चलेगा। असली ड्रग्स व्यापारियों को भी गिरफ्तार करना होगा। एक ड्रग्स मुक्त समाज बनाने के लक्ष्य के साथ आज के इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ऐसा आसु के नेतृत्व ने कहा। कामरूप जिला छात्र संस्था, कामरूप जिला उन्नति सभा और असम सेना, कामरूप जिला समिति ने इस जुलुस प्रदर्शन में भाग लिया।

बीटीसी एमसीएलए ने बीजीपी के प्राथमिक सदस्यता पद से दिया इस्तीफा

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) एमसीएलए रेव रेवा नार्जारी ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कोकराझाड़ जिले के प्राथमिक सदस्य पद से इस्तीफा दिया है। आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश अध्यक्ष को अपना त्यागपत्र प्रेरन किया है। नार्जारी ने शारीरिक, आध्यात्मिक और वित्तीय कठिनाइयों सहित व्यक्तिगत बाधाओं का हवाला देते हुए, औपचारिक रूप से पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अभी बीपीएफ या यूपीपीएल में शामिल होंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा बिटिसी चुनाव सितम्बर महीने में होने की संभावना है इससे पहने रेव रेवा नार्जारी के इस्तीफा से बीजीपी को काफी बड़ नुक्सान है।

एक बड़े सिस्ट को हटाना और न्यूनतम रुग्णता के साथ प्लीहा को बचाना

गुवाहाटी। असम के एक 65 वर्षीय सज्जन पेट के ऊपरी बाएं हिस्से में अस्पष्ट दर्द की शिकायत के साथ चेन्नई के अपोलो अस्पताल में आये। मूल्यांकन करने पर पता चला कि उसके अग्न्याशय की पूंछ से 16 × 12 सेमी आकार का एक बड़ा सिस्ट निकला हुआ था, जिसके परिधि में कैल्शिफिकेशन के निशान थे। रोगी को रोबोटिक स्प्लीन प्रिजर्विंग डिस्टल पैंक्रियाटेक्टॉमी से गुजरना पड़ा। ऑपरेशन के बाद की अवधि घटनारहित रही और मरीज को ऑपरेशन के तीसरे दिन छुट्टी दे दी गई। हिस्टोपैथोलॉजिक परीक्षण से अग्न्याशय में एक सौम्य सिस्टिक नियोप्लाज्म का पता चला। क्या डिस्टल पैंक्रियाटेक्टॉमी करते समय प्लीहा को संरक्षित किया जा सकता है? दूरस्थ अग्न्याशय के घातक रोगों में पर्याप्त लिम्फैडेनेक्टॉमी के लिए अग्न्याशय के शरीर और पूंछ के साथ-साथ प्लीहा और उसकी वाहिकाओं को भी हटाने की आवश्यकता होती है। हालांकि, अग्न्याशय के सीमांत और सौम्य घावों में प्लीहा को हटाने की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि प्लीहा को संरक्षित करने से रुग्णता कम हो जाती है। क्या तिल्ली को संरक्षित रखना कठिन है? प्लीहा शिरा और धमनी अग्न्याशय के साथ-साथ चलती हैं, तथा छोटी शाखाएं उससे जुड़ती हैं। इन अग्नाशयी वाहिकाओं को प्लीहा वाहिकाओं से अलग करना एक चुनौतीपूर्ण शल्य चिकित्सा कार्य है। प्लीहा वाहिकाओं को क्षति पहुंचने से अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है। इन प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक सर्जरी एक पसंदीदा तरीका क्यों है? रोबोटिक सर्जरी एक विस्तृत दृश्य और स्थिर मंच प्रदान करती है, जिससे प्लीहा वाहिकाओं की अग्नाशयी शाखाओं की पहचान करने की क्षमता में सुधार होता है। रोबोटिक भुजाएं बेहतर निपुणता और नियंत्रण प्रदान करती हैं, जिससे शल्य चिकित्सा के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। कम रिकवरी समय, कम जटिलताएं, तथा दर्द निवारक दवाओं की कम आवश्यकता, ऐसे मामलों में खुली सर्जरी की तुलना में रोबोटिक सर्जरी को अधिक लागत प्रभावी विकल्प बना सकती है। इस मामले में अनोखी बात यह थी कि अग्न्याशय पर एक बड़े सिस्टिक ट्यूमर को 2 सेमी के छोटे चीरे के माध्यम से निकाला गया। चूंकि ट्यूमर कैंसर रहित था, इसलिए रोबोटिक तकनीक का उपयोग करके प्लीहा को संरक्षित किया गया। सर्जरी के एक सप्ताह के भीतर ही मरीज अपने घर वापस जा सका।

संपादकीय

वादों का बजट

बजट के मापतोल में सुक्खू सरकार ने अपनी खिड़कियों से दूर तक देखने की कोशिश की है, लेकिन आर्थिक संरचना के मुहावरों में वित्तीय परेशानियां हर द्वार पर खड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने एक लंबे भाषण में बजट का ढांचा विकसित किया, जहां कुछ अपेक्षाएं पूरी हुईं तो कुछ नई पहल के मजमून नजर आए। अपनी ओर से सरकार ने ग्रामीण आर्थिकी का संबल बनते हुए भैंस के दूध की खरीद को 61 रुपए, गाय के दूध को 51 रुपए प्रति किलो पहुंचा दिया है, जबकि परिवहन सबसिडी के रूप में प्रति किलोग्राम दो रुपए का प्रावधान भी किया गया है। प्राकृतिक खेती के संदर्भों को मक्की व गेहूं की खरीद में दर्शाया गया है, तो किसानों पर चढ़े ऋण से राहत देने का संकल्प सामने आया है। मनरेगा और सामान्य दिहाड़ी में बढ़ोतरी की जा रही है। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 12750 रुपए हो रहा है, जबकि पंचायत से नगर निकाय प्रतिनिधियों का पारिश्रमिक बढ़ गया। ग्रीन प्रदेश से प्राकृतिक खेती तक की राह पर सरकार की वचनबद्धता अब स्थायी नगमे सुना रही है। यहां घोषणाओं की अपनी संस्कृति है और महत्त्वाकांक्षा के अपने पांव, फिर भी आकाश तक पहुंचने की ख्वाहिश में सुक्खू कहीं सुधार कर रहे हैं, तो कहीं संघर्ष कर रहे हैं। पिछले और इस बजट के फैसलों में रास्ते तो नहीं बदले, इरादे जरूर बदल गए। यानी अब अगर डे बोर्डिंग स्कूल को बसाना है तो कई शहरी स्कूलों की छत को खोलकर इस परियोजना को प्रवेश कराया जा रहा है। इस तरह इन इमारतों की प्रासंगिकता में ताजगी आएगी। सरकार खेती के मायने बदलती हुई कच्ची हल्दी का टीका लगा रही है। क्या इसे अपनाकर बंदर भाग जाएंगे या हमारा वन महकमा नए पौधारोपण से इन्हें वापस जंगल में ले जाएगा। यह दीगर है कि ऊना में आलू प्रोसेसिंग यूनिट की घोषणा से खेती का लक्ष्य और उत्पादन की वजह बढ़ सकती है। कमोबेश इसी तर्ज पर नादौन में स्पाइस पार्क की अनुगूंज से बजट को मसालेदार बनाया गया है। पर्वतीय मसालों तथा जड़ी-बूटियों के उत्पादन में स्पाइस पार्क की बाहें अगर योगदान कर पाईं, तो यह एक खुशखबर है। बजट कई विधानसभा क्षेत्रों तथा विभिन्न वर्गों को खुशखबर देने का मंतव्य रखता है। स्वरोजगार और निजी निवेश के लिए युवाओं को अगर पहले ई-टैक्सी पर बैठाया था, तो अब बेरोजगारों को मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना का खाका सौंपा जा रहा है। होटल व होम स्टे निर्माण में युवाओं को ऋण के ब्याज में चार से पांच प्रतिशत की सबसिडी सरकार देगी। इसी तरह छोटे एवं लघु व्यापारियों, ढाबा मालिकों, रेहड़ी-फड़ी वालों को लेकर मुख्यमंत्री लघु दुकानदार योजना कुछ नया आश्वासन दे रही है। कुल मिलाकर 58514 करोड़ के बजट में एक ओर सरकार को वेतन और पेंशन, उधार पर ब्याज और किश्त अदायगी में ही 76 प्रतिशत देना ही देना है, तो शेष बचे 24 प्रतिशत बजट से उम्मीदों का प्रकाश बनाए रखना कठिन कसौटी है। हालांकि इस बीच पेंशनरों के एरियर भुगतान की समय सीमा 15 मई तय हो रही है और विधायक निधि को 200 करोड़ की अदायगी भी की जा रही है। बजट बूढ़े लोगों को घर में उपचार देने का वादा कर रहा है, तो ड्रोन टैक्सी चलाने के लिए कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर में स्टेशन बना रहा है। बजट को चांशल, पौंग डैम और कई नए पर्यटक डेस्टिनेशन विकसित करने हैं, तो नादौन में वेलनेस व राफ्टिंग सेंटर भी खोलने हैं। बजट सजधज के पुनः कांगड़ा में पर्यटन राजधानी की राह आसान करने के लिए गगल एयरपोर्ट विस्तार के थैले में तीन हजार करोड़ रुपए उंडेलने का प्रयास कर रहा है। ईको टूरिज्म की दो सौ इकाइयां रेखांकित हो रही हैं, शिमला में लग्जरी बसें तथा दो सौ नए होटलों में निजी निवेश की आशा से पुलकित बजट पर्यटन की जड़ें खोज रहा है। तकनीकी शिक्षा में नवाचार, धार्मिक पर्यटन पर नजर, टी टूरिज्म में क्रांति के उद्घोष, जाहिर तौर पर नई परिकल्पना हैं।

मुख्यमंत्री ने एक लंबे भाषण में बजट का ढांचा विकसित किया, जहां कुछ अपेक्षाएं पूरी हुईं तो कुछ नई पहल के मजमून नजर आए। अपनी ओर से सरकार ने ग्रामीण आर्थिकी का संबल बनते हुए भैंस के दूध की खरीद को 61 रुपए, गाय के दूध को 51 रुपए प्रति किलो पहुंचा दिया है, जबकि परिवहन सबसिडी के रूप में प्रति किलोग्राम दो रुपए का प्रावधान भी किया गया है। प्राकृतिक खेती के संदर्भों को मक्की व गेहूं की खरीद में दर्शाया गया है, तो किसानों पर चढ़े ऋण से राहत देने का संकल्प सामने आया है। मनरेगा और सामान्य दिहाड़ी में बढ़ोतरी की जा रही है। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 12750 रुपए हो रहा है, जबकि पंचायत से नगर निकाय प्रतिनिधियों का पारिश्रमिक बढ़ गया। ग्रीन प्रदेश से प्राकृतिक खेती तक की राह पर सरकार की वचनबद्धता अब स्थायी नगमे सुना रही है। यहां घोषणाओं की अपनी संस्कृति है और महत्त्वाकांक्षा के अपने पांव, फिर भी आकाश तक पहुंचने की ख्वाहिश में सुक्खू कहीं सुधार कर रहे हैं, तो कहीं संघर्ष कर रहे हैं। पिछले और इस बजट के फैसलों में रास्ते तो नहीं बदले, इरादे जरूर बदल गए। यानी अब अगर डे बोर्डिंग स्कूल को बसाना है तो कई शहरी स्कूलों की छत को खोलकर इस परियोजना को प्रवेश कराया जा रहा है।

पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है

कर्नाटक में 'अल्पसंख्यकों' को सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत कोटा क्यों? बताए कांग्रेस

कमलेश पांडे

पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं ?किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं? खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता और उनके 'चमचे बुद्धिजीवी' वोट बैंक की लालच में इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है। पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं ?किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं? खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं। पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है। इतिहास गवाह है कि अपनी घोर तुष्टिकरण की सियासत के चलते भारत और अधिकांश राज्यों की सत्ता से बाहर है। 2014 और 2019 के आम चुनावों में उसकी हैसियत विपक्ष का नेता बनने लायक भी नहीं रही थी। 2024 में उसे जो अप्रत्याशित उछाल मिला, उसके उत्साह में वो फिर अतिरेक भरे फैसले कर रही है, जिससे साफ है कि कांग्रेस अब सत्ता प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि 'पार्टी ध्वंस' और 'देश-समाज विध्वंस' को गति देने की राजनीति पर आमादा है। उसकी गलत

नीतियों का ही तकाजा है कि पहले भारत टूटा, फिर पाकिस्तान टूटा और कांग्रेस भी कई बार टूटी। यदि सही कहा जाए तो 'कांग्रेस' की असली नेता ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की चार बार से मुख्यमंत्री) हैं, न कि नेहरू-गांधी परिवार के सियासी जमींदार, जो सौभाग्य से नेता प्रतिपक्ष तो हैं, लेकिन वैचारिक और रणनीतिक तौर पर उसके 'नाकाबिल' हैं! तभी तो खुद इंडिया गठबंधन के उनके साथी भी उन्हें अपना नेता मानने को लेकर किंतु परन्तु करते रहते हैं! मेरी बात उन्हें बुरी लग सकती है, लेकिन इसके मर्म को आत्मसात कर लिए तो उनकी पार्टी की सियासी किस्मत भी बदल सकती है, क्योंकि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, सर्वाधिक समय तक देश-प्रदेश पर राज किया, उसकी मौजूदा दुर्दशा पर हर कोई तरस खाएगा। चर्चा के मुताबिक, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरेंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) ऐक्ट में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। खबर है कि इस ऐक्ट में बदलाव का यह बिल विधानसभा के इसी बजट सत्र में आएगा, जिसके पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों सहित सभी अल्पसंख्यक वर्ग के सरकारी ठेकेदारों को 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि, टेंडर में कोटा सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्ग के लिए तय किया गया है, जिसकी प्रतिशतता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उन्होंने नहीं दी है। वहीं, बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने गढ़ रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी। बाद में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 4 प्रतिशत कोटा सिर्फ मुस्लिमों के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए है। वहीं, कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण पर एक सेवानिवृत्त नौकरशाह ने कहा है कि राज्य सरकार को अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकती है। इसी नजरिए से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों में मुस्लिम आदि अल्पसंख्यकों को ओबीसी कैटिगरी में रखकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। जबकि यहां मसला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन का है। हालांकि, इस पर जिसे ऐतराज है, वह संवैधानिक अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। क्योंकि यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है जिसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। आम तौर पर संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट की प्रतिक्रिया आई है कि संविधान में अनुच्छेद 15 और 16 में पढ़ाई-नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान है, लेकिन सरकारी ठेकों में आरक्षण का जिक्र सविधान में नहीं है। चूंकि शीर्ष अदालत में कर्नाटक में सरकारी नौकरी में मुस्लिम रिजर्वेशन का मसला आ चुका है। पर मौजूदा मामला टेंडर से संबंधित है। इसलिए संवैधानिक तौर पर यह रिजर्वेशन शायद ही कोर्ट में टिक पाए। क्योंकि संविधान में आर्टिकल 15 व 16 में रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में दाखिले के लिए आर्टिकल 15 के तहत प्रावधान है और सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान आर्टिकल 16 में है। जबकि कर्नाटक सरकार ने टेंडर में रिजर्वेशन दिया है और वह भी रिलिजन के आधार पर दिया है। वहीं यह संविधान के तहत वर्णित परिभाषा पब्लिक एंप्लायमेंट के तहत नहीं आता है। लिहाजा रिजर्वेशन सिर्फ सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थान में दाखिले के लिए हो सकता है। कानूनी जानकार बताते हैं कि कैबिनेट रिजर्वेशन दे सकती है।

दृष्टि कोण

देशहित में है राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का निर्धारण

रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की पुरजोर सिफारिश करने वाले एन.एन. वोहरा एक समय रक्षा सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां' नामक किताब वोहरा द्वारा संपादित निबंधों का एक मौलिक संग्रह है, जिसको लेकर उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दिवंगत जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान -दोनों चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ- के साथ चर्चा की थी और कई सार्वजनिक व्याख्यान भी दिए हैं। गत 28 फरवरी को हुई नवीनतम चर्चा में, उन्होंने दो मुद्दों पर जोर दिया : राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अभाव; और राष्ट्रीय सुरक्षा वार्ता में पारदर्शिता की कमी। उन्होंने कई समस्याओं को सूचीबद्ध किया : एकल मंच दृष्टिकोण, अपर्याप्त उच्च रक्षा प्रबंधन, क्रॉस-डोमेन संपर्क की कमी और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों के साथ आंतरिक सुरक्षा को मिलाकर देखने में विफलता। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए अलग से मंत्रालय बनाए जाने पर सुझाव दिया। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन के साथ, उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तीन मसौदे तैयार किए गए थे, जिनमें से एक तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने अनुमोदित भी कर दिया था, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होने के डर से कोई एक भी सार्वजनिक नहीं हुआ। चौथा मसौदा संभवतः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के पास अटका धूल फांक रहा है। पिछले साल जनरल चौहान के साथ आमने-सामने की बातचीत के दौरान वोहरा उन्हें सहमत कर पाए कि राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत की असल में जरूरत है और 'कुछ लिखा जा रहा है।' हालांकि, इससे पहले, 29 मई, 2024 को लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम दास (से.नि.) की पुस्तक 'इंडियन आर्ट ऑफ वॉर फॉर फ्यूचर चैलेंजेज' के विमोचन के दौरान, जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के बारे में पूछा गया, तो जनरल चौहान ने जवाब दिया था : 'लिखित नीति की आवश्यकता नहीं है...हमने बीते 70 वर्षों में कई युद्ध लड़े हैं और प्रबंधन बढ़िया ढंग से किया...।' उसी वर्ष बाद में, जनरल चौहान के समान विचार वाले, एक 'अक्लमंद' जनरल ने सुरक्षा नीति को कलमबद्ध न किए जाने का अनुमोदन यह कहकर किया : 'यह हमारे दिमाग में है।' आधुनिक शासन कला में राष्ट्रीय हितों का प्रबंधन और सुरक्षा हेतु विभिन्न संस्थानों के काम का निष्पादन लिखित योजनाओं एवं आकस्मिकता पर क्रियान्वयन करने पर टिका है। सुरक्षा रणनीति समग्र रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा की समीक्षा कर बनाई जानी चाहिए, इससे जीडीपी के प्रतिशत आधारित संसाधन आवंटन, उच्च रक्षा संगठन और अनिश्चितताओं एवं बड़े पैमाने की व्यवधानों के युग में अंतर्निहित लचीलेपन के साथ रक्षा और सुरक्षा नियोजन में सकल क्षमता का निर्माण हो सकेगा। निवारण उपायों, कूटनीति और विकास को परिवर्तनों के अनुकूल ढलना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पेश करके खलबली मचा दी है। अचानक, यूरोप और नाटो, जो संभवतः अमेरिका से अलग हो जाएंगे, अपने रक्षा बजट को न केवल 2 प्रतिशत, बल्कि 5 प्रतिशत तक बढ़ाने को हाथ-पैर मार रहे हैं। रूस दुश्मन है, लेकिन लगता है अब अमेरिका के लिए नहीं रहा। 1991 में, सोवियत संघ के विघटन के बाद, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ फील्ड मार्शल लॉर्ड ब्रैमल ने इस लेखक से कहा था कि ब्रिटेन का अब कोई दुश्मन नहीं रहा। उन्होंने कहा : 'हम कोई ढूंढ़ रहे हैं'। और उन्हें एक मिल गया। दीर्घकालिक रक्षा नियोजन न होने ने भयावह परिचालन स्थितियों को जन्म दिया। इनमें से एक, जो पिछले दो दशकों से भारत के सामने मुंह बाए खड़ी थी, अब विस्फोटक रूप धर चुकी है : भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान स्कवाड्रनों की संख्या घटकर 31 से भी कम रह गई, जबकि प्रावधान 42 स्क्वाड्रन बनाए रखने का है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अभूतपूर्व कड़ाई से एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में कहा : 'हल्के लड़ाकू विमानों की जो संख्या देने का एचएएल ने वादा किया, वह उनकी आपूर्ति देने में विफल रहा है', उन्होंने आगे कहा : 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं रहा। वह मिशन मोड में नहीं है।' भारतीय वायुसेना को हर साल 35-40 नए लड़ाकू विमान चाहिये, एचएएल ने 2025 में 24 एलसीए एमके-1ए देने का वादा किया है। एपी सिंह कहते हैं कि बाकी निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए जा सकते हैं। लेकिन 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों पर 'आवश्यकता की स्वीकार्यता' वाली स्थिति की अनदेखी और पिछले महीने ट्रम्प-मोदी के संयुक्त बयान में जीई-414 इंजन का उल्लेख नहीं होने के साथ, भारतीय वायु सेना को विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जैसा कि वायुसेना के एक पूर्व प्रमुख ने गत सप्ताह इस लेखक को बताया कि इससे भारतीय वायुसेना दो मोर्चों पर एक साथ भिड़ने की क्षमता रखने में असमर्थ हो जाती है।

कुछ अलग

... ताकि सेफ रहे सेब

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा। बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यह बात जगजाहिर है कि हिमालय के पहाड़ी इलाकों के कारण उच्च उत्पादन लागत से किसान जूझ रहे हैं। जिसमें मशीनीकरण असंभव हो जाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी सेब उत्पादक अत्यधिक मशीनीकृत खेती और बड़े पैमाने पर सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

देश दुनीया से

आजीविका : वानिकी में समाधान

हिमालयी राज्यों में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की समस्या विकट बनती जा रही है। विकास की दिशा और तरीका या मॉडल समस्या को समझ कर संतुलित रास्ता तलाशने के बजाय मुख्यधारा मॉडल पर ही आगे बढ़ रहा है, जिससे समस्या और बढ़ती जा रही है। एक ओर पूंजी का दबाव है, दूसरी ओर आम आदमी की बढ़ती अपेक्षाएं हैं। कोई रुक कर सोचने को तैयार नहीं है कि हमारे तौर तरीकों का प्रकृति पर क्या असर पडने वाला है। सब जल्दबाजी में हैं कि कब करोड़पति बन जाएं। इस अंधी होड़ में प्रकृति लगातार जख्मी होकर संदेश दे रही है कि बहुत हो गया, थोड़ा आसपास के प्रकृति के नुकसान को देख कर सोचने का प्रयास कर लो कि इसका हमारी अपनी ही जिंदगी पर आने वाले समय में क्या असर पडने वाला है। सारा उत्पादन का तरीका 'प्रयोग करो और फैंको' पर आधारित है। इससे एक ओर जहां कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर जिन जरूरतों को पूरा करने के लिए एक इकाई कच्चे माल की जरूरत थी, उसके बजाय दस गुणा दोहन प्राकृतिक संसाधनों का किया जा रहा है। इससे संसाधनों की कमी तो आएगी ही, साथ ही प्रकृति के संतुलन के बिगड़ जाने का खतरा भी बढ़ता ही जा रहा है। प्रकृति संकेत दे रही है। बेमौसमी बाढ़-सूखा, घटते ग्लेशियर, सूखता पानी, भूस्खलन, प्लास्टिक कचरे का प्रदूषण, जिससे फैलती बीमारियां, जहरीले स्प्रे से फैलती बीमारियां, प्रदूषित पानी, वायु, मिट्टी, जहां नजर डालो वहां जीवनदायी तत्वों का विघटन दिखाई देता है। सुख-सुविधाएं तो बढ़ी हैं, पर किस कीमत पर, यह देखना जरूरी है। इसलिए संतुलन और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए प्रकृति मित्र विकास के मॉडल की बात बार-बार सामने आ रही है, किन्तु सुनता कोई नहीं। पर्वतीय क्षेत्रों की दूसरी बड़ी चुनौती है यहां के आदमी को टिकाऊ आजीविका उपलब्ध कराना। यहां खेती की जमीन तो केवल 10 फीसदी है। उसमें भी केवल चौथा भाग ही सिंचित है। मैदानों में इसके मुकाबले 85 फीसदी जमीनें खेती के अंतर्गत आती हैं। 67 फीसदी वन भूमि है। उसमें से भी 40 फीसदी के लगभग चट्टानें, स्थायी बर्फ वाले क्षेत्र, और वनस्पति-रेखा से ऊपर के क्षेत्र हैं जिनमें घास भी पैदा नहीं होता। ऐसी भौगोलिक परिस्थिति में जिंदा रहने का संघर्ष काफी कठिन हो जाता है। अगर खेती की जमीनों के विस्तार की बात करें तो उसकी संभावना भी मामूली है, क्योंकि जो खेती योग्य थीं, वे पहले ही कृषि कार्य में परिवर्तित हो चुकी हैं। अब बहुत थोड़ा उसमें बढ़ोतरी की गुंजाईश है। उसमें भी वन क्षेत्र खोने का खतरा है, जिसकी इजाजत न तो भारत का कानून देता है और न ही भौगोलिक हालात और पर्यावरणीय चुनौतियां। सरकारें भी दीर्घकालीन सोच से किनारा करके तात्कालिक समाधानों तक सीमित होती जा रही हैं। यहां का मुख्य संसाधन पानी है, किन्तु जलविद्युत से भी पूरा लाभ पर्वतीय राज्यों को नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर बिजली परियोजनाओं से 12 फीसदी मुफ्त बिजली प्रदेश को मिल रही है, जबकि यह हिस्सा कम से कम 25 फीसदी होना चाहिए। क्या ही अच्छा होता यदि खुद पर्वतीय सरकारों को ही नर्म शर्तों पर ऋण देकर उनसे ही परियोजनाएं लगवाई जाती, तो सारी कमाई संसाधनहीन पर्वतीय राज्यों को मिलती और पर्वतीय राज्य कर्जदार न बनते। यहां उद्योगीकरण की संभावना भी उन उद्योगों के लिए है जिनमें 'उच्च मूल्य और कम मात्रात्मक विस्तार' वाला उत्पादन हो। जैसे कि दवाइयों के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। या सुगन्धित बूटियों के अर्क आदि निकाल कर कुछ रोजगार खड़े किए जा सकते हैं। फलों के प्रसंस्करण का भी काम बढ़ाया जा सकता है। किन्तु जिन उद्योगों का कच्चा माल भी बाहर से आएगा और बिक्री के लिए भी तैयार माल को बाहर भेजना पड़ेगा, उन उद्योगों के लिए हालात प्रतिस्पर्धा योग्य नहीं रहते। अब जो बड़ा भूभाग वनों के अधीन है, उसके उपयोग को आजीविका की दिशा में मोड़ कर आने वाले समय के लिए टिकाऊ आजीविका के आधार खड़े किए जा सकते हैं। उसके लिए ऐसे वन खड़े करने होंगे जिनको बिना काटे रोजी पैदा की जा सके। इसके लिए चिपको आंदोलन के समय से मांग की जा रही है। एक नारा दिया गया था कि 'रहे सहे वृक्ष बचाओ, पंच जीवन वृक्ष लगाओ'। जीवन वृक्ष ऐसे वृक्ष हैं जो फल, चारा, ईंधन, खाद, रेशा और दवाई देने वाले हों। उनको बिना काटे ही जीवनयापन के लिए आजीविका खड़ी की जा सकती है। ऐसे फलदार वृक्ष जो जंगल के हालात में भी कीमती फल दे सकते हैं, जैसे कागजी अखरोट, जंगली खुमानी, चिलगोजा आदि। हिमालय में 67 फीसदी जंगल होने के बावजूद चारे का अकाल है। चारे के वृक्ष, और विविध प्रकार के घास लगा कर पशुपालन, भेड़ बकरी पालन को लाभदायक बनाया जा सकता है। निचले क्षेत्रों में देसी आम, बेर आदि उगाए जा सकते हैं। कुछ जंगली फल भी उगा कर फसलों में बंदरों द्वारा नुकसान कम किया जा सकता है। भूमिहीन लोगों को यदि भूमि देनी हो और वृक्ष संख्या कम किए बिना यह काम करना हो तो वृक्ष खेती एक बेहतर विकल्प है। इससे लोगों को आजीविका भी मिल जाएगी और पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष आच्छादन भी बना रहेगा। निचले क्षेत्र विशेषकर बाहरी हिमालय और शिवालिक विभिन्न प्रकार के खरपतवारों से अनुत्पादक हो चुके हैं। उनमें यदि उच्च सेलुलोस वाले बांस का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाए तो 10 वर्षों के भीतर अच्छा आर्थिक लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। बांस को एथनोल उत्पादन में यदि प्रयोग किया जाए तो इसमें गन्ने के मुकाबले दस गुणा एथनोल बन सकता है। एथनोल की मांग असीमित होगी। यदि ग्रामवन के पुराने या एफआरए के नए प्रावधानों के अंतर्गत ग्राम समुदाय को जोड़ कर ये वन लगाए जाएं तो गांव में अच्छा खासा आजीविका खड़ी की जा सकती है। भटियात के सुहार बीट में कागजी अखरोट के पौधे लगाने का काम सराहनीय है।

विकास की दिशा और तरीका या मॉडल समस्या को समझ कर संतुलित रास्ता तलाशने के बजाय मुख्यधारा मॉडल पर ही आगे बढ़ रहा है, जिससे समस्या और बढ़ती जा रही है। एक ओर पूंजी का दबाव है, दूसरी ओर आम आदमी की बढ़ती अपेक्षाएं हैं।

आप का नजरीया

शीर्षता की सूची में

भारत के प्रमुख शैक्षिक, प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए बेहद अच्छी खबर है। अब भारत भी शीर्षता की वैश्विक सूची में उपस्थित है। देश के 9 संस्थान शीर्ष 50 संस्थानों की जमात में शामिल हैं और 79 भारतीय विश्वविद्यालयों को भी शीर्षता के तौर पर चिह्नित किया गया है। बीते साल यह संख्या 69 थी। एक दौर ऐसा भी था, जब हमारे संस्थान और विश्वविद्यालय 500 शीर्ष की सूची में भी नहीं आते थे। उसमें भी कोई राजनीतिक और भारत को 'पिछड़े देश' के तौर पर आंकने की मानसिकता रही होगी, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में भारत शीर्ष देशों की श्रेणी में रहा है। नालंदा, तक्षशिला इसके सांस्कृतिक उदाहरण रहे हैं, लेकिन वक्त के मुताबिक, शिक्षा के आयाम और क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आज कृत्रिम बौद्धिकता, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग का बिल्कुल परिवर्तित युग है, लिहाजा रोजगार की अपेक्षाएं भी बदली हैं। सुखद और प्रोत्साहित खबर यह है कि भारतीय विश्वविद्यालयों के 24 इंजीनियरिंग संस्थान, सोशल साइंस के 20 और प्राकृतिक विज्ञान के 19 संस्थान शीर्षता की सूची में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय हासिल हुई है, जब बहुधा रपटों और सर्वेक्षणों के निष्कर्ष सामने आ रहे थे कि भारतीय स्नातकों में कौशल, हुनरमंदी का घोर अभाव है। अब क्यूएस रैंकिंग सूची में विश्वविद्यालयों और संस्थानों के कौशल संबंधी प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है, नतीजतन स्नातकों की वरीयता में नियोक्ताओं (एंप्लायर) की अपेक्षाओं और दृष्टिकोण में भी काफी सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी हालिया साक्षात्कार में कहा है कि दुनिया कुछ भी कर ले, लेकिन भारत के बिना 'एआई' (कृत्रिम बौद्धिकता) अधूरी है। हालांकि भारत सरकार में कौशल मंत्रालय का गठन प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र रूप से किया था, लेकिन कौशल के नाम पर कुछ भाषण देना या सुनना के अलावा हम ठोस और व्यावहारिक तौर पर इसे आंदोलन नहीं बना सके हैं, लिहाजा हमारे युवा वैश्विक ही नहीं, घरेलू आधार पर भी पिछड़े हैं। बहरहाल हम शीर्षता की जमात में शामिल हो गए हैं, लेकिन क्यूएस 2025 में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत ज्ञान और अर्थव्यवस्था का शीर्ष गंतव्य, गढ़ बनने में अब भी पीछे है। यह भी रेखांकित किया गया है कि भारत के संभ्रांत और विशिष्ट विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों के सीखने के अनुभवों में सुधार की गुंजाइश बेहद जरूरी है। उसी के बाद वे वैश्विक तौर पर अपनी उपस्थिति साबित कर पाएंगे। छात्रों के सीखने के अनुभवों और उन्हें प्रशिक्षित बनाने में बेहतर शिक्षकों, निरंतर निरीक्षण और पाठ्यक्रम विकास आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सूची में शामिल विश्वविद्यालय और संस्थान क्यूएस वरीयता प्रणाली के ऐसे मानदंडों पर लगभग खरे साबित हुए हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त प्रशिक्षित शिक्षकों और उनके काम करने की माकूल स्थितियां आज भी हमारी उच्च शिक्षा के लिए बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं। संस्थानों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं अथवा छात्रों के अनुपात में अध्यापक बहुत कम हैं। 2023 की एक कैग रपट में खुलासा किया गया था कि आईआईटी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती नियमित रूप से की जाती रही है, लेकिन अब भी वे उतने नहीं हैं, जितने छात्रों के अनुपात में होने चाहिए। ऐतिहासिक कमजोरी यह है कि ऐसे शिक्षकों की संख्या को वैज्ञानिक तौर पर कभी भी तय नहीं किया गया। 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एक कार्यबल का गठन किया था।

केंद्र सरकार और आंदोलनरत किसानों की चंडीगढ़ में बैठक आज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी व शंभू बॉर्डर पर धरना दे रहे किसानों की एक बैठक केंद्र सरकार के साथ 19 मार्च को चंडीगढ़ में सुबह 11 बजे से होगी। इस सातवीं बैठक में शामिल होने के लिए केंद्र सरकार ने मंगलवार को पंजाब के किसान संगठनों को एक पत्र भेजा है। दरअसल, फसलों की एमएसपी की लीगल गारंटी समेत 13 मुद्दों को लेकर किसानों की केंद्र सरकार से बातचीत चल रही है। केंद्र सरकार की तरफ से किसानों को मीटिंग का अधिकृत पत्र भेजा गया है। एक साल से संघर्षरत किसानों का साफ कहना है कि जब तक उनकी सुनवाई नहीं होती है, तब तक वह संघर्ष खत्म नहीं करेंगे। केंद्र सरकार का पत्र जारी होने के बाद किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि मीटिंग में दोनों फोरम के नेता शामिल होंगे। साथ ही वह इसमें अपना पक्ष रखेंगे। दूसरी तरफ मीटिंग में केंद्र सरकार के दो से तीन मंत्री व पंजाब सरकार के मंत्री शामिल होंगे। इससे पहले किसानों और केंद्र सरकार के बीच 22 फरवरी को मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। मीटिंग करीब साढ़े तीन घंटे तक चली थी। इस मीटिंग में किसानों ने केंद्र सरकार को दलील दी थी कि अगर केंद्र सरकार एमएसपी देने का फैसला लेती है तो किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी। उन्होंने इस संबंधी कुछ तथ्य मीटिंग में पेश किए थे। इसके बाद केंद्र सरकार ने यह तथ्य किसानों से मांगे थे, ताकि वह अपनी माहिरों से इस बारे में राय ले ले। इसके बाद किसानों ने केंद्र को अपना सारा रिकॉर्ड भेज दिया था। बुधवार को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में केंद्र की तरफ से कौन-कौन मंत्री भाग लेंगे इस बारे में अभी कोई जानकारी जारी नहीं हुई है। इस बीच जगजीत सिंह डल्लेवाल का पंजाब-हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन मंगलवार को 113वें दिन भी जारी रहा। उन्होंने केंद्र सरकार का पत्र मिलने के बाद वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि 19 मार्च को जो हमारी केंद्र सरकार के साथ मीटिंग तय हुई थी। वह तय तारीख पर होगी। मीटिंग का समय पहले शाम पांच बजे था, जिसे बदलकर अब सुबह 11 बजे चंडीगढ़ में होगी। इस संबंधी हमें केंद्र सरकार से पत्र मिला है। साथ ही हम मीटिंग में हिस्सा लेकर अपनी बात रखेंगे।

डोटासरा का सरकार पर हमला : ब्यूरोक्रेसी हावी, मंत्री भी नहीं हो पा रहे प्रभावी

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को उदयपुर में प्रेस वार्ता के दौरान सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में ब्यूरोक्रेसी हावी है और मंत्री भी अपनी बात नहीं मनवा पा रहे हैं। सरकार अपने ही कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को न तो चुप करवा पा रही है और न ही पार्टी से बाहर कर पा रही। यहां तक कि अनुशासनहीनता का नोटिस देने के बावजूद भी किरोड़ी अपनी ही लाइन पर काम कर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बीच सामंजस्य की कमी है। ब्यूरोक्रेसी मंत्रियों को समय नहीं दे रही और फैसलों में जनप्रतिनिधियों की अनदेखी हो रही है। उन्होंने कहा कि कमजोर नेतृत्व में बागडोर आएगी तो ब्यूरोक्रेसी हावी होगी और जनप्रतिनिधि कमजोर पड़ेंगे। इसका सीधा नुकसान जनता को होता है। डोटासरा ने कहा कि किरोड़ीलाल मीणा सरकार के आदेशों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किरोड़ी जयपुर में सीएम रूट लाइन पर ड्यूटी दे रहे एएसआई की मौत के मामले में डीजीपी के घर जाकर

टक-टक करते हैं। ये काम मैं नहीं करता। मैं पहले ही कह देता कि गेट खुला रखना, मैं आ रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि किरोड़ी मीणा बजरी खनन, फोन टैपिंग और अन्य मामलों में लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं और सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। डोटासरा ने कहा कि अब जनता भी किरोड़ी की बातों को गंभीरता से नहीं ले रही है। राज्य में पुलिस हड़ताल पर प्रतिक्रिया देते हुए डोटासरा ने कहा कि पुलिस को अपनी मांगें रखनी चाहिए थीं। मुख्यमंत्री को भी उनकी बात सुननी चाहिए। मगर इसमें किरोड़ी लाल मीणा टपक गए, अब सरकार पुलिस की छोटी-मोटी मांग भी पूरी नहीं करेगी। एसआई भर्ती परीक्षा पर फैसला भी अटक गया। नाथी का बाड़ा के सवाल पर डोटासरा ने कहा कि यह सेवा और त्याग का प्रतीक है। मैं चाहता हूं कि मेरा घर हमेशा नाथी का बाड़ा बना रहे। मैं इस नारे से देशभर में लोकप्रिय हो गया हूं। कौन नहीं चाहता कि गरीबों की सेवा करे। राजनीति में कोई खान ले लेता है तो कोई पेट्रोल पंप। डोटासरा ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार पांच साल के लिए चुनकर आई है। मुख्यमंत्री को जनता की सेवा करनी चाहिए। देवदर्शन यात्रा भी करें लेकिन जनता के लिए काम करें। कार्यक्रमों में घोषणाएं करने से कुछ नहीं होगा, उन्हें धरातल पर उतारना होगा। डोटासरा ने विधानसभा सत्र में अनुपस्थित रहने के सवाल पर कहा कि इसका बड़ा कारण है, जिसे मैं समय आने पर सार्वजनिक करूंगा। तब मीडिया भी मेरी तारीफ करेगा। यह निर्णय जनता के मुद्दे उठाने और पार्टी हित में लिया गया था। इसका नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से कोई संबंध नहीं है। उप चुनाव और विधानसभा चुनाव में हार पर डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता और नेता फील्ड से दूर हो गए। हम जनता की आवाज बनकर काम करने में कमी कर बैठे। यही वजह रही कि हमारी सरकार नहीं बन पाई। पार्टी में अब ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाएगा, जो कांग्रेस में पद लेकर भाजपा की भाषा बोलते हैं। अब ऐसे लोगों को कांग्रेस से अलविदा कहना पड़ेगा। डोटासरा प्रेस कांफ्रेंस के बाद सिटी पैलेस पहुंचे और अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी भी मौजूद रहे।

गहलोत ने भजनलाल सरकार पर किसानों की उपेक्षा का लगाया आरोप

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट लिखकर कहा कि ये सरकार किसानों को ना बिजली दे पा रही है, ना पानी दे पा रही और ना ही उपज का सही दाम दे पा रही है। ऐसा लगता है राजस्थान के किसानों को भाजपा सरकार ने केंद्र सरकार की ही भांति अपने हाल पर ही छोड़ दिया है। उन्होंने लिखा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में किसानों को परेशान करने में कोई कसर नहीं रखी जा रही है। सरसों की उपज बाजार में आ चुकी है परन्तु अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद की प्रक्रिया शुरू तक नहीं हुई है जबकि गेहूं की अभी कटाई भी नहीं हुई।

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा भारत : राज्यपाल

जयपुर/चूरू (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को चूरू में विकास कार्यक्रमों और जनहित की योजनाओं की समीक्षा की। बागडे ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। यहां के शूरवीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की है। हम सभी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प में सहयोग दें। हमारी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से मजबूत करें। हम बौद्धिक रूप से सुदृढ़ होंगे तो देश खुशहाल होगा। राज्यपाल बागडे ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल बागडे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाए तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा प्रयास करें कि छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें। बागडे ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। यहां की क्षेत्रीय विशेषताओं

को बढ़ावा दें ताकि रोजगार के बेहतरीन अवसर सृजित हों। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यक्रमों व योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित करते हुए खेतों में अधिकतम सौर उर्जा संयत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केंद्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करें। जेजेएम में सभी गांवों में पेयजल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें तथा पेंडिंग कनेक्शन पूरे करें। बागडे ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें और प्रयास करें कि योजना में ऋण योजना में लाभ का बेहतरीन यूटीलाइजेशन हो। महानरेगा योजना अंतर्गत सुदूर गांवों- ढाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ महानरेगा में श्मशान व जोह विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया।

राजस्थानी म्यूजिक वीडियो एल्बम चोखो भरतार लांच

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में मंगलवार को बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान और अदाकारा सिमरन खान स्टार राजस्थानी म्यूजिक वीडियो एल्बम सांग चोखो भरतार लांचिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गाने के लीड आर्टिस्ट, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी साझा की। चोखो भरतार ने इंस्टाग्राम पर रिलीज से पहले ही टॉप ट्रेंडिंग में जगह बना ली, जिससे यह नया रिकॉर्ड स्थापित करने में सफल रहा। यह गाना एक शादीशुदा महिला के अपने पति के प्रति प्रेम और प्रशंसा को दर्शाता है, जो राजस्थानी संस्कृति और बॉलीवुड स्टाइल का अनूठा संगम है। प्रोड्यूसर हाफिज बैग ने बताया कि इस सांग की शूटिंग डिवाटेल्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले जयपुर में संपन्न हुई है। यह पहला ऐसा गीत है, जिसमें बॉलीवुड और राजस्थानी लोकगीत की शैली को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत किया गया है। अरबाज खान ने राजस्थानी लोक कला को अपनाते हुए अपने अभिनय के माध्यम से इसे जीवंत बना दिया है।

लगातार दूसरी बार लेफ्टिनेंट कमांडर देवदत्त शर्मा का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

हिसार (हिंस)। भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर देवदत्त शर्मा ने मानसिक और शारीरिक क्षमता की नई मिसाल कायम करते हुए 365 लगातार हाफ मैराथन (7700 किमी) पूरी कर दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 18 मार्च 2024 से 17 मार्च 2025 तक हर दिन 21.1 किमी की दौड़ लगाकर असाधारण धैर्य और अनुशासन का परिचय दिया। उनके नाम पहले से ही 82 दिन लगातार फुल मैराथन (42.2 किमी) का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड (30 अक्तूबर 2022 से 19 जनवरी 2023 तक) दर्ज है। उनका यह सफर साबित करता है कि इच्छाशक्ति और समर्पण से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। देवदत्त शर्मा की कहानी संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। वे हरियाणा के हिसार जिले के खरबला गांव से हैं। बचपन में ही पिता का साया उठ गया लेकिन कठिनाइयों ने उन्हें और मजबूत बनाया। गांव के सरकारी स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद, उनके चाचा ने उन्हें भारतीय नौसेना में अधिकारी बनने के लिए प्रेरित किया। इस समय वे माउंटेनियर, आयरनमैन, योग ट्रेनर, मोटिवेशनल स्पीकर और गोताखोरी विशेषज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि अगर संकल्प और अनुशासन हो तो किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आरपीएससी ने दिया फार्म में संशोधन व विड्रॉ करने का मौका

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने मई में प्रस्तावित विभिन्न परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को फॉर्म में करेक्शन व आवेदन फॉर्म विड्रॉ करने का अवसर दिया है। भूवैज्ञानिक एवं सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन सात मई को, सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) परीक्षा 2024 (नौ विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (गृह विभाग) परीक्षा 2024 (आठ विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक एवं जनसंपर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) परीक्षा 2024 का आयोजन 17 मई 2025 को प्रस्तावित है। अभ्यर्थी 19 मार्च से 25 मार्च तक की रात 12 बजे तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन कर सकेंगे। इस दौरान आवेदन फॉर्म विड्रा करने का अवसर भी दिया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगी। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संशोधन चाहने वाले अभ्यर्थी को ई-मित्र-ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से 500 रुपए का शुल्क जमा कराना होगा। आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध अप्लाई ऑनलाइन लिंक अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटिजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर संबंधित परीक्षा में ऑनलाइन संशोधन किया जा सकेगा।

गर्भ में पल रही बेटियों को बचाएगी मुखबिर योजना

झांसी (हिंस)। कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई पर रोक लगाकर लिंग अनुपात में सुधार लाने के उद्देश्य से योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही मुखबिर योजना के क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत लिंग परीक्षण करने वालों की पहचान में भूमिका निभाने वाले लोगों को दो लाख रुपए का इनाम प्रदान किया जाता है। झांसी मंडल में इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। झांसी मंडल के आयुक्त बिमल कुमार दुबे ने निर्देश दिए हैं कि महिला पुलिसकर्मियों, शिक्षिकाओं, एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा अन्य विभागों में तैनात महिला कर्मचारियों, अधिकारियों तक योजना के बारे में जानकारी पहुंचाई जाए। जनपद स्तर पर इस आपरेशन के संचालन में सहयोग के लिए सहमत, इच्छुक महिला राज्य कर्मचारियों की सूची तैयार की जाए, ताकि सूचना मिलने पर उनकी सेवाएं ली जा सकें। योजना के क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारी अपनी अध्यक्षता में एक विशेष बैठक नियमित रूप से कराएं तथा जनपद में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। लिंगानुपात में गिरावट वाले ब्लाक में विशेष अभियान चलाकर अवैध कृत्य में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इस कार्य में एलआईयू की भी मदद ली जाए। मंडलायुक्त ने निर्देश में कहा है कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस, सतर्कता, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों और एजेन्सियों के कार्यालयों में शासनादेश की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं तथा जिला स्तरीय अधिकारियों का यथासम्भव सहयोग लिया जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी सभी विभागों के विभागाध्यक्षों, कार्यालय अध्यक्षों को इस योजना के बार में विस्तार से जानकारी दें। साथ ही जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन में अन्तर्राज्यीय सीमा के समीप के क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर विशेष सर्च अभियान चलाया जाए तथा विशेष रूप से सतर्कता तंत्र का उपयोग किया जाए। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना वाले केंद्रों को निगरानी में लेकर आगामी तीन माह में कम से कम एक डिक्वाय ऑपरेशन संचालित करने की ठोस पहल करें। इनाम की राशि इस तरह वितरित की जाएगी- गर्भवती महिला को एक लाख रुपए, मुखबिर को 60,000 रुपए और सहायिका को 40,000 रुपए। यह राशि तीन चरणों में दी जाएगी। केस पकड़े जाने के बाद, आरोपियों की अदालत में पेशी होने पर और दोष सिद्ध होने के बाद।

देवी गायत्री को *काल्पनिक* बताने वाली पाठ्यपुस्तक पर प्रतिबंध लगाने की मांग याचिका खारिज

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें पाठ्यपुस्तक *तथाकथित गायत्री देवी मंत्र की वास्तविकता* के मुद्रण, प्रकाशन, वितरण और प्रचार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। जनहित याचिका में दावा किया गया है कि संत ज्ञानेश्वर स्वामी सदानन्द परमहंस द्वारा लिखित पाठ्यपुस्तक में तर्क दिया गया है कि देवी गायत्री, वैदिक ग्रंथों के एक लोकप्रिय भजन गायत्री मंत्र का साकार रूप काल्पनिक है। कथित तौर पर, इसमें यह भी दावा किया गया है कि *तथाकथित गायत्री देवी* की झूठी और काल्पनिक छवियां

और मूर्तियां भी बनाई जा रही हैं, जो धार्मिक रूप से इच्छुक लोगों को गुमराह कर रही हैं। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की पीठ ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि इसी तरह की याची द्वारा दाखिल एक अन्य याचिका 2016 में निरर्थक बताकर कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उल्लेखनीय है कि जनहित याचिका में कहा गया था कि प्राइवेट प्रतिवादियों (पुस्तक के प्रकाशकों सहित) ने गायत्री मंत्र के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं तथा उक्त पुस्तक प्रकाशित करके इस सम्बंध में विकृति उत्पन्न की है। कहा गया था कि पुस्तक भ्रामक है और इसके प्रकाशन से लाखों पुरुष, महिलाएं, विद्वान, आचार्य और विशेषकर पंडित भ्रमित हो रहें हैं। यह हिंदुओं की भावनाओं के खिलाफ है। हाईकोर्ट ने यह आदेश सत्य सनातन धर्म धर्मात्मा कल्याण समिति बनाम यूपी राज्य और 5 अन्य की याचिका पर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव पहुंचे ईडी दफ्तर, पूछताछ जारी

पटना (हिंस)। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। मंगलवार सुबह 10 बजे उन्हें पटना स्थित ईडी दफ्तर में पेश होना था। राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव ईडी दफ्तर पहुंच गए हैं। ईडी दोनों से पूछताछ कर रही है। ईडी ने इस मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को भी समन भेजा है। ईडी पहली बार तेजप्रताप से इसे मामले में पूछताछ कर रही है। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी ने इस साल जनवरी में लालू यादव और तेजस्वी यादव से लंबी पूछताछ की थी। 20 जनवरी 2024 को दिल्ली और पटना में ईडी की टीम ने लालू यादव से करीब 10 घंटे तक सवाल-जवाब किए थे। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन के मामले में सीबीआई का आरोप है कि लालू प्रसाद यादव ने 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए बड़ा घोटाला किया। इसके तहत रेलवे में नौकरी देने के नाम पर लालू परिवार के सदस्यों के नाम पर जमीन और प्रॉपर्टी ट्रांसफर कराई गई। इन जमीनों के बदले मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर जैसे जोनों में बड़े पैमाने पर नौकरियां दी गई। आरोप है कि लालू परिवार ने बिहार में 1 लाख स्क्वायर फीट से ज्यादा जमीन महज 26 लाख रुपए में हासिल की थी, जबकि उस समय के सरकारी दर के अनुसार जमीन की कीमत करीब 4.39 करोड़ रुपए थी। इन जमीनों के अधिकतर मामलों में मालिकों को कैश में भुगतान किया गया।

अश्लीलता किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है, सबको मिलकर आगे आना होगा : डीजीपी

पटना (हिंस)। महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं सम्मान विषय पर मंगलवार को बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में संवादात्मक सत्र *उड़ान* का आयोजन किया गया। इस मौके पर डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि अश्लीलता किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है, सबको मिलकर आगे आना होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि समाज में फैली अश्लीलता के खिलाफ सबको मिलकर आगे आना होगा। तिलक जैसे कार्यक्रम में वल्गर गाने पर नाच हो रहा है, ऐसा इसलिए होता है कि उस क्षेत्र के लोग सुनना चाहते हैं। महिलाएं अगर घर से बाहर निकलकर ऐसे गाने बजाने पर रोक लगाने की बात करें, तो सब बंद हो जाएंगे। कहीं स्टेज पर डांस हो रहा है और कोई महिला के गाल पर नोट साट रहा है, ऐसी घटनाएं किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है। ऐसी कृत्य पर तो महिलाओं को खुद ही आवाज उठानी चाहिए। विनय कुमार ने कहा कि घर के बूढ़े जब नाच देखेंगे तो उनके बच्चे बलात्कारी बनेंगे ही, इसलिए सबसे जरूरी है सबकी सोच को सही करना है। हाल के दिनों में मेरे पास कई महिलाओं के ऐसे कॉल आए हैं कि मुझे डांस या किसी कार्यक्रम के लिए बुलाया गया है, पर यहां असहज हूं, इसलिए मुझे यहां से निकाला जाए। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आज के समय में

पेरेंटिंग एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया है, पर यह गार्जियन का काम है कि इनपर नजर रखें। सरकार की तरफ से 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। 27 हजार महिला पुलिसकर्मी काम कर रही हैं और जल्द ही इसमें और जुड़ जाएंगी, इसके उपरांत महिला भागीदारी में हमारे आसपास भी कोई राज्य नहीं दिखेगा। डीजीपी ने कहा कि पंचायती राज में 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण है, जो बिहार के लिए वाकई बड़ी बात है। आज हर जिले में महिला पुलिसकर्मियों और अधिकारी की अच्छी संख्या है, जो आज से कुछ साल पहले तक नहीं थी। हमारे डायल 112 व अन्य हेल्पलाइन नंबर पर भी बेहतर रेस्पॉन्स मिल रहा है। लास्ट ईयर साढ़े पांच सौ (550) करोड़ रुपए सिर्फ महिला थाना के लिए ही हमने सरकार से लिया है, ताकि महिला थाने को और संबल बनाया जा सके। पुलिस के साथ मारपीट व हमले जैसी घटनाएं बढ़ी हैं, पर इसका मतलब ये नहीं कि पुलिस काम करने से डर जाए, हमें ऐसी घटनाओं को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। पॉक्सो एक्ट लागू करने के मामले में भी बिहार अव्वल है। डीजीपी ने कहा कि वर्ष 2007-08 में राज्य सरकार द्वारा स्कूलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए साइकिल योजना शुरू हुई थी, उस वक्त थानों के द्वारा भी बच्चों को स्कूल जाने लिए प्रोत्साहित किया जाता था। पुलिस के इस सहयोग के कारण स्कूल में उपस्थिति बढ़ी थी। उस दौरान सुरक्षा की भावना के आते ही ग्रामीण परिवेश का पूरा माहौल बदल गया था। उसके बाद हर साल महिलाओं को लेकर सरकार द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान में बिहार में कानून व्यवस्था अच्छे से कायम है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने उपस्थित महिला पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मिडिल क्लास फॅमिली से निकलकर जब मैं हॉलीवुछ कर सकती हैं, तो बिहार की बेटियां क्यों नहीं इस क्षेत्र में आ सकती। बिहार पुलिस अपनी उपलब्धि को बताए, ताकि लोग भी असली बिहार को जानें। पूरी दुनिया में लड़कियां वैसे ही लड़ रही हैं, जैसे हम लड़ रहे हैं। बिहार पुलिस का अचवमेंट ट्रेंडिंग है, इतना कुछ अच्छा हो रहा है, महिला पुलिसकर्मियों को भी चाहिए कि अपनी सक्सेस को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डालें, ताकि लोग महिला शक्ति को पहचान सकें।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली

दक्षिण कोरियाई चैबोल एलजी की सब्सिडियरी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। हालांकि, कंपनी ने इश्यू के कुल आकार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष 6 दिसंबर, 2024 को कागजात दाखिल किए थे। कंपनी का यह इश्यू ऑफर फार सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा। सेबी के पास एलजी के दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड कंपनी के दाखिल डीआरएचपी में शामिल रेडसीर रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ऑफलाइन चैनल में वैल्यू मार्केट शेयर के मामले में 13 सालों से मार्केट लीडर रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड की लिस्टिंग के बाद यह भारतीय शेयर बाजार में प्रवेश करने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई कंपनी होगी। मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब डॉलर का हुआ नुकसान

कोलंबो। श्रीलंका के बाह्य ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। मंगलवार को मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। एक सरकारी समाचार पत्र ने कोलंबो में चीन के राजदूत क्यूई झेनहोंग के हवाले से खबर में कहा कि चीन अक्टूबर 2023 में पुनर्गठन समझौता करने वाला श्रीलंका का पहला द्विपक्षीय ऋणदाता था। झेनहोंग ने कहा कि हालांकि, जनता को इन विवरणों के बारे में पता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम श्रीलंका को दी जाने वाली सहायता के बारे में जानकारी नहीं देते हैं। श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट में अपनी पहली चूक की घोषणा करने के बाद 46 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य ऋण का पुनर्गठन किया था। राजदूत ने साथ ही चीन और भारत के भविष्य में श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करने की उम्मीद भी जाहिर की ।

ट्रंप ने मिशेल बोमन को फेडरल रिजर्व का शीर्ष नियामक नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के वित्तीय नियामक कार्यों की देखरेख के लिए मिशेल बोमन को नामित किया है। इस कदम से बड़े बैंकों के लिए नियम ढीले होने की संभावना बढ़ी है। बोमन को 2018 में ट्रंप ने फेड के गवर्निंग बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। वह माइकल बार की जगह फेड के पर्यवेक्षण विभाग के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। पिछले महीने बार ने कानूनी लड़ाई से बचने के लिए पद छोड़ दिया था। ट्रंप की ओर से नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी। हालांकि, बार सात सदस्यीय फेड बोर्ड में बने रहे, जिससे ट्रंप को मौजूदा गवर्नर में से किसी एक को उपाध्यक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोमन नामांकन का बैंकिंग उद्योग के लॉबिंग समूहों ने स्वागत किया है। जिनमें अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन और इंडिपेंडेंट कम्युनिटी बैंकर्स ऑफ अमेरिका शामिल थे। उपाध्यक्ष के रूप में, बोमन सबसे शक्तिशाली संघीय बैंक नियामक होंगे और बैंक नियमों में सुधार के लिए फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और करेंसी नियंत्रक कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता है, हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें आसानी से मंजूरी मिल जाएगी।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 10 फीसदी तक उछले, 50 के पार पंहुचा भाव

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में मंगलवार को बड़ा उछाल देखने को मिला। ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी के शेयर मंगलवार को इंट्राडे ट्रेड में 10 फीसदी तक उछल गए। इससे पहले सोमवार को कंपनी के शेयर बड़ी गिरावट लेते हुए 50 रुपये से नीचे आ गए थे। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 46.58 रुपए प्रति शेयर पर खुला। शेयर ने इंट्राडे में 51.64 रुपए प्रति शेयर का हाई स्तर और 46.32 रुपए प्रति शेयर का न्यूनतम स्तर छुआ। सुबह शुरुआत में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9.04 फीसदी की बढ़त लेकर 51.15 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक की वाहन रजिस्ट्रेशन एजेंसी रोस्मेर्टा डिजिटल सर्विसेज ने शनिवार को कहा था कि वह ओला की सब्सिडियरी ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही शुरू करने जा रही है। इसके बाद कंपनी के शेयर बुरी तरह लुढ़क गए थे। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बेंगलुरु बेंच के पास दायर की गई है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी मजबूती के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली बातचीत को लेकर सोमवार को वैश्विक बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 353.44 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,841.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,675.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,808.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 106.64 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,734.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,680.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत उछल कर 8,073.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 167.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,154.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 230.77 अंक यानी 3.57 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 6,241.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 165.50 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,773.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,899.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 419.32 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,564.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

निक्केई इंडेक्स 542.70 अंक यानी 1.45 प्रतिशत उछल कर 37,939.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 119.16 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,237.79 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,180.52 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,613.40 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,429.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ बढ़ाई साझेदारी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर उद्यमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में तेजी लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ विस्तारित दीर्घकालिक साझेदारी की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार टेक महिंद्रा और गूगल क्लाउड मिलकर उद्यमों को उनके बुनियादी ढांचे और डेटा आर्किटेक्चर को आधुनिक बनाने में मदद करेंगे। साथ ही उनके एआई-संचालित क्लाउड समाधानों से निवेश पर रिटर्न को अनुकूलित करेंगे। टेक महिंद्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ने कहा ?कि ये समाधान व्यवसायों को परिचालन संबंधी जटिलताओं से निपटने, दक्षता बढ़ाने और उभरते नियामक मानकों का पालन करते हुए विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम बनाएंगे।

बजाज फिनसर्व खरीदेगा आलियांज की बीमा कंपनियों में 26 फीसदी हिस्सेदारी

दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी

नई दिल्ली

बजाज फिनसर्व ने कहा कि उसने आलियांज एसई के साथ शेयर खरीद पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वह दो इंश्योरेंस ज्वाइंट वेंचर्स—बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। यह सौदा 24,180 करोड़ रुपये में होगा। इस अधिग्रहण के बाद, बजाज ग्रुप की इन दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी। बजाज ग्रुप, बीएलिक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,400 करोड़ रुपये में और बीएजिक में 13,780 करोड़ रुपये में खरीदेगा। हालांकि यह अधिग्रहण नियामकीय मंजूरियों के अधीन है, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की मंजूरी शामिल है। की शर्तों के तहत, बजाज फिनसर्व लगभग 1.01 प्रतिशत, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट लगभग 19.95 प्रतिशत, और जमनालाल संस लगभग 5.04 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे, जिससे प्रत्येक इंश्योरेंस कंपनी में कुल 26 प्रतिशत हिस्सेदारी पूरी होगी। अधिग्रहण के बाद, बजाज फिनसर्व की हिस्सेदारी दोनों कंपनियों में 75.01 प्रतिशत हो जाएगी।

पिरामल फाइनेंस ने पंजाब एवं सिंध बैंक के साथ साझेदारी की

Piramal Finance

Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)
Where service is a way of life

पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा कि उसने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मध्यम और निम्न-आय वाले उधारकर्ताओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के धरातल पर पंजाब एंड सिंध बैंक के साथ रणनीतिक सह-ऋण साझेदारी की है। यह साझेदारी ग्राहकों के पहुंच को बढ़ाने और वित्तीय समावेशन में मदद करने का एक कदम है। पिरामल फाइनेंस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें गहरे बाजारों में ऋण पहुंचाने में मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य है ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करना और उन्हें वित्तीय सहायता पहुंचाना।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,550 रुपये से लेकर 89,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी 1,02,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत के वाणिज्य व्यवस्था में व्यापार घाटा सालाना 14.05 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली

भारत में व्यापार एवं वाणिज्य संक्षेपक आंकड़े जारी होने के बाद दिखा कि फरवरी 2025 में वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में सुधार है, लेकिन पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत कम रहा। नए आंकड़ों के अनुसार, वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात फरवरी महीने में 36.91 अरब डॉलर था, जबकि आयात 50.96 अरब डॉलर रहा। इसके बावजूद, आयात में तेज गिरावट के कारण व्यापार घाटा 14.05 अरब डॉलर में पहुंच गया है, जो कि अगस्त 2021 के बाद का न्यूनतम स्तर है।

विभागीय मंत्रालय द्वारा व्यापार के गतिशीलता में देखा जा रहा है कि वैश्विक मांग में कमी और वैश्विक प्रशुल्क युद्ध के प्रभाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों के कारण व्यापार में यह कमी हुई है। इसे एक रणनीतिक अवसर के रूप में देखा जा सकता है जो देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष ने कहा कि निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सावधानी और कठोर प्रयास की आवश्यकता है। देश के कुल निर्यात में सालाना 6.24 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जो कि कुल आयात के साथ संतुलित होने का एक मार्ग दिखा सकता है।

मनबा फाइनेंस का बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स और प्रॉसपैरिटी से करार

MANBA FINANCE

मुंबई। मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल, और प्रॉसपैरिटी के साथ एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की है। यह साझेदारी कंपनी की ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी और उन्हें अधिक सशक्त बनाएगी। इस साझेदारी के माध्यम से मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने उद्देश्य किया है कि भारतीय बाजार में संधारणीय गतिशीलता को बढ़ावा दिया जाए। ग्राहकों को उनकी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत साझेदारी मिलेगी जो उनकी जरूरतों को समझेगी और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी। इस घोषणा से ग्राहकों की आशाएं बढ़ गई हैं और उन्हें विश्वास है कि यह साझेदारी उनके लिए नई और सरल वित्तीय सेवाओं का एक सुनहरा युग प्रदान करेगी। बीगौस ऑटो, फिन कूपर्स कैपिटल और प्रॉसपैरिटी के साथ की इस साझेदारी की उम्मीद की जा रही है और इससे पूरे वित्तीय सेक्टर में एक नया उत्साह भी बढ़ा है।

हरभजन और आकाश ने बताय बढ़ती उम्र में भी धोनी के अच्छे प्रदर्शन का कारण

नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 43 साल की उम्र में एक बार फिर से आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। हर बार धोनी के संन्यास की अटकलें लगायी जाती हैं और वह सभी को गलत साबित करते हुए मैदान पर उतर जाते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने पांच बार खिताब भी जीता था हालांकि अब उन्होंने कप्तानी छोड़ दी है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा ने बढ़ती उम्र में भी अच्छे प्रदर्शन का राज बताया है। हरभजन और आकाश ने कहा कि धोनी ने अपनी फिटनेस बनाये रखी है और वह नियमित 2 से 3 घंटे अभ्यास भी करते हैं। धोनी ने साल 2024 के सत्र में 14 मैचों में खेले थे और 13 छक्कों की मदद से 161 रन बनाए थे। आईपीएल 2025 से पहले भी वह सीएसके के कैंप में अभ्यास करते नजर आए।। हरभजन ने कहा, पिछले साल वह शानदार थे।

मैं हाल ही में उनसे मिला। वह बहुत फिट दिख रहे थे। मैंने उससे पूछा, क्या यह मुश्किल नहीं है, जो तुम कर रहे हो उसने कहा, यह कठिन है, लेकिन यह एकमात्र चीज है जो मुझे करना पसंद है। मैं इसका आनंद लेता हूं। आप जानते हैं, वह दूसरों की तुलना में कुछ बेहतर कर रहे होंगे।

वह अभी भी हावी हैं। उन्होंने आगे बताया, पिछले सत्र में, वास्तव में, उन्होंने सभी गेंदबाजों, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों और घरेलू शीर्ष श्रेणी के गेंदबाजों पर दबदबा बनाया। इसलिए वह 2-3 महीने तक अभ्यास करते हैं क्योंकि उन्हें बहुत सारी गेंदों का सामना करना पड़ता है।

वह सबसे पहले आते हैं। आप जितनी ज्यादा गेंदें खेलते हैं, उतनी ही आपको वह टाइमिंग मिलती है और उतना ही आपको वह फ्लो मिलता है। वह लगातार बल्लेबाजी करते रहते हैं। चेन्नई में वह 2-2, 3-3 घंटे बल्लेबाजी करते हैं। यही बात मायने रखती है। वह मैदान पर आने वाले पहले व्यक्ति होते हैं, जाने वाले आखिरी व्यक्ति होते हैं। इस उम्र में, यही अंतर है। वहीं, आकाश ने कहा कि वह अपने प्रति बहुत ईमानदार हैं और जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह भी लगता है कि वह अपनी क्षमताओं के प्रति बहुत ईमानदार हैं। और यह ईमानदारी बहुत मायने रखती है।

न्यूज ब्रीफ

संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स टीम से जुड़े, विकेटकीपिंग पर संशय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन, जिन्होंने पिछले महीने उंगली की सर्जरी करवाई थी, सोमवार को टीम से जुड़ गए हैं। सैमसन बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। हालांकि, यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वह तुरंत विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन पूरी तरह फिट नहीं होते हैं, तो ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि जुरेल ने फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में सैमसन की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग की थी। उस मैच में जोफ्रा आर्चर की एक तेज गेंद सैमसन की उंगली पर लगी थी, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस बीच, ऑलराउंडर रियान पराग भी कंधे की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने को तैयार हैं। चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहे थे, लेकिन रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में वापसी करते हुए उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ पहली पारी में अर्धशतक जमाया और 26 ओवर की गेंदबाजी भी की। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में खेलेगा। इसके बाद टीम दो लगातार घरेलू मैच खेलेगी—26 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स और 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, दोनों मुकाबले गुवाहाटी में होंगे।

मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण क्रोएशिया के खिलाफ नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल से बाहर

पेरिस। फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फारवर्ड मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में क्रोएशिया के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं। फ्रांस की मेडिकल टीम ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। डिडिएर डेशैम्प्स द्वारा इस हफ्ते के मैचों के लिए चुने गए 24 खिलाड़ियों में से थुराम एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे, जो क्लेयरफोंटेन में खुले प्रशिक्षण सत्र में भाग नहीं ले सके। इंटर मिलान के लिए खेलने वाले 27 वर्षीय थुराम अब तक 29 अंतरराष्ट्रीय मैचों में फ्रांस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और दो गोल कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में चैंपियंस लीग में फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए थे लेकिन दोनों मैचों में करीब एक घंटे बाद उन्हें मैदान से हटाया गया था। रविवार को उन्होंने सीरी ए में अटलांटा के खिलाफ इंटर मिलान की 2-0 की जीत में भी हिस्सा लिया था लेकिन इसके बाद उनकी चोट गंभीर हो गई। फ्रांस की मेडिकल टीम ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि थुराम की अनुपस्थिति में किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। फ्रांस का पहला क्वार्टरफाइनल मुकाबला गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ स्प्लिट में होगा, जबकि रविवार को दूसरा चरण स्टेड डी फ्रांस, पेरिस में खेला जाएगा।

आईपीएल उद्घाटन समारोह में श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी सहित कई सितारें कार्यक्रम पेश करेंगे

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के उद्घाटन सत्र में इस बार बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी और पंजाबी पॉप सिंगर करण औजला कार्यक्रम पेश करेंगे। इनके अलावा वरुण धवन और श्रद्धा कपूर भी इसमें शामिल हो सकते हैं। वहं पिछले सत्र में अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, गायक सोनू निगम और एआर रहमान ने आईपीएल में कार्यक्रम पेश किया था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि आईपीएल उद्घाटन समारोह के लिए 25 मिनट का समय तय किया गया है, जिससे मैच की मनोरंजक शुरुआत हो सके। उन्होंने कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है पर कहा कि यह एक भव्य आयोजन होगा। गांगुली ने कहा कि हम उद्घाटन समारोह का आयोजन करेंगे, हालांकि हमें अभी तक नहीं पता कि कौन-कौन प्रस्तुति देंगे।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की ली बढ़त

डुनेडिन

टिम सीफर्ट और फिन एलेन की धमाकेदार पारियों और कीवी तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेन सियर्स (2/23) और जैकब डफी (2/20) ने पाकिस्तानी ओपनर्स मोहम्मद हारिस (11) और हसन नवाज (0) को जल्दी पवेलियन भेज दिया, जिससे पाकिस्तान का स्कोर 3.1 ओवर में 19/2 हो गया।

इसके बाद कप्तान सलमान अली आगा और इरफान खान ने स्कोर को छह ओवरों में 36/2 तक पहुंचाया लेकिन जल्द ही इरफान (11) और खुशदिल शाह (2) को ईश सोढ़ी ने अपना शिकार बनाया और पाकिस्तान का स्कोर 7 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। सलमान अली आगा ने 28 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन की अहम पारी खेली लेकिन सियर्स ने उन्हें पवेलियन भेजकर पाकिस्तान का स्कोर 9.2 ओवर में 5 विकेट पर 76 रन कर दिया। नीचे के क्रम में शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में नाबाद 22 रन, दो चौके और एक छक्का) ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे पाकिस्तान ने 15 ओवर के वर्षा प्रभावित मैच में 9 विकेट पर 135 रन का स्कोर खड़ा किया। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने आक्रामक शुरुआत की।

फिन एलेन ने मोहम्मद अली के दूसरे ओवर में तीन छक्के लगाए जबकि टिम सीफर्ट ने शाहीन शाह अफरीदी के अगले ओवर में चार छक्के जड़कर पाकिस्तान के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

न्यूजीलैंड ने चार ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिये। अली ने 66 रनों की साझेदारी को तोड़ते हुए सीफर्ट को (32 गेंदों में 45 रन, तीन चौके, पांच छक्के) पर आउट किया, जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर 4.4 ओवर में 1 विकेट पर 66 रन हो गया। एलेन ने मार्क चैपमैन के साथ छोटी साझेदारी बनाई लेकिन 16 गेंदों में 38 रन (एक चौका, पांच छक्के) की धमाकेदार पारी खेलकर वह जहानदाद खान की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए, जिससे न्यूजीलैंड 6.5 ओवर में 2 विकेट पर 87 के स्कोर पर पहुंच गया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने जल्दी-जल्दी मार्क चैपमैन (1) और जेम्स नीशम (5) के विकेट गंवाए और 8.3 ओवर में 97 पर 4 विकेट खो दिया।

ईश सोढ़ी न्यूजीलैंड के शीर्ष 10 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल

डुनेडिन। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ ही कीवी लेग स्पिनर ईश सोढ़ी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। सोढ़ी ने इस मैच में दो विकेट चटकाए, जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल विकेटों की संख्या 264 हो गई। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज इवान जॉन चैटफील्ड (263 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। सोढ़ी अब न्यूजीलैंड के दसवें सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। 12 साल के करियर में शानदार प्रदर्शन 12 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में सोढ़ी ने अब तक 196 मैच खेले हैं और 264 विकेट चटकाए हैं। उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/39 है, और उन्होंने अब तक दो बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। उनका गेंदबाजी औसत 30.71 और इकॉनमी रेट 5.37 है। भारतीय मूल के ईश सोढ़ी अपने माता-पिता के साथ ऑकलैंड चले गए थे। उन्होंने 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। हालांकि, वह न्यूजीलैंड की टीम में लगातार बने नहीं रह पाए, लेकिन टी20 टीम में वह सबसे अहम गेंदबाज रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर हैं। इस प्रारूप में उन्होंने अब तक 142 विकेट लिए हैं, उनका औसत 22.94 और इकॉनमी 7.97 है। पाकिस्तान का कमजोर प्रदर्शन, न्यूजीलैंड की आसान जीत मैच की बात करें तो इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी फिर से नाकाम रही और केवल सलमान अली आगा (46 रन) ने संघर्ष किया। नीचे के क्रम में शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में नाबाद 22 रन, दो चौके और एक छक्का) ने कुछ उपयोगी रन जोड़े और पाकिस्तान ने 15 ओवर में 135/9 का स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने धमाकेदार शुरुआत की।

शिबानी ने आईपील एंकरिंग के कड़वे अनुभव बताये

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही खेल का नया ग्लैमरस अंदाज देखने में आया है। इसके अब तक के बीते सत्र में कई कई एंकर्स रही है। इसी में एक शिबानी दांडेकर हैं। शिबानी साल 2011 से 2015 तक एक्स्ट्रा इनिंग शो की होस्ट थीं। शिबानी को सफर काफी अच्छा रहा। आईपीएल के शानदार चार सत्र की एंकरिंग को देखते हुए शिबानी को सचिन तेंदुलकर और शेन वार्न ने संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट ऑल स्टार्स में काम करने के लिए कहा। इसके बाद एंकरिंग में बनाई अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए शिबानी न्यूयॉर्क चली गईं। उन्होंने वहां कई शो होस्ट किए। अमेरिका में काम करने के बाद वह इंडिया लौटीं और होस्ट के अलावा बतौर मॉडल भी कई प्रोजेक्ट में काम किया। वहीं साल 2019 आईसीसी विश्व कप में एक बार फिर बतौर होस्ट उनकी वापसी हुई।

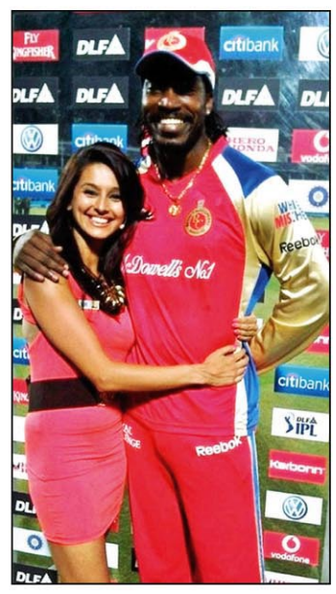

शिबानी ने बाद में अपने एक इंटरव्यू में आईपीएल के दौरान कड़वे अनुभव का भी जिक्र करते हुए शिबानी ने कहा था, 'जब मैंने पहली बार आईपीएल एंकर के तौर पर शुरुआत की तो यह मुश्किल था क्योंकि चाहे मैं कितना भी रिसर्च करूं, गेम में खुद को झोंक दूं, मैं क्या पहन रही हूं, यह सबसे महत्वपूर्ण चीज लगती थी।

लोग मेरे ज्ञान से ज्यादा इस बात पर ध्यान देते थे कि मैं कैसी दिखती हूं।' शिबानी का जन्म 27 अगस्त 1980 को पुणे की एक मराठी-कोंकणी फैमिली में हुआ. जल्द ही उनकी फैमिली लंदन में शिफ्ट हो गई थी, शिबानी की परवरिश विदेश में ही हुई.वह पहले अफ्रीका और फिर ऑस्ट्रेलिया में रहीं। मशहूर गीतकार जावेद अख्तर के बेटे और बॉलीवुड एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर से शिबानी की शादी हुई है।

स्पेशल ओलंपिक विंटर खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

इटली में हुए स्पेशल ओलंपिक विंटर खेल में भारत को 33 पदक मिले थे। उसके विजेताओं का दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में सम्मान किया गया है। इस टूर्नामेंट में भारत के 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। स्पेशल ओलंपिक भारत की चेयरमैन मल्लिका नड्डा ने कहा, स्पेशल ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे हम सब गौरव महसूस कर रहे हैं। स्पेशल ओलंपिक में भाग लेने वाले भारत के 30 खिलाड़ियों ने कुल 33 पदक जीते हैं। इसमें आठ स्वर्ण पदक, 18 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। टूर्नामेंट में 102 देशों ने भाग लिया था, जिसमें भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है।

महिला क्रिकेट: बारिश के कारण न्यूज़ीलैंड-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 मैच रद्द हुआ, सीरीज़ 1-1 से बराबर

डुनेडिन

डुनेडिन में मंगलवार को हुई भारी बारिश के कारण न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीसरा टी20 मैच बिना नतीजे के समाप्त हो गया, जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई।

बारिश के कारण तीसरे टी 20 में केवल 14.1 ओवर का खेल ही संभव हो सका, न्यूज़ीलैंड ने बल्लेबाज़ी में शानदार शुरुआत की थी, जब श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सुज़ी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर ने पहले आठ ओवर में 60 रन जोड़े, लेकिन तभी बारिश ने खेल रोक दिया।

खेल दोबारा शुरू हुआ, लेकिन जल्द ही बेट्स 31 गेंदों में 28 रन बनाकर अटापट्टू की गेंद पर आउट हो गईं। इसके बाद फिर से बारिश आ गई और मैच को 15-15 ओवर का कर दिया गया। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने इस ब्रेक का पूरा फायदा उठाया और दो विकेट झटके।

हालांकि, प्लिमर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और तीन चौके व दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर नाबाद रहीं। लेकिन बारिश ने एक बार फिर दखल दिया और मैच समाप्त कर दिया गया।

श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को सीरीज़ का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने 64* और 23 रन की पारियां खेलीं, साथ ही गेंदबाज़ी में 1/10, 0/19 और 1/19 का प्रदर्शन किया।

लियोनेल मेसी चोट के कारण अर्जेंटीना की वर्ल्ड कप क्वालीफायर टीम से बाहर

ब्यूनस आयर्स

इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ अर्जेंटीना के आगामी फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

37 वर्षीय मेसी को अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया, जबकि उन्होंने रविवार को एमएलएस मैच में अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ इंटर मियामी के लिए पूरे 90 मिनट खेले और शानदार गोल भी किया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेसी को मैच के दौरान बाईं जांघ में चोट (एडडक्टर स्ट्रेन) लगी, जिसके चलते वे उरुग्वे (शुक्रवार, अवे मैच) और ब्राजील (मंगलवार, होम मैच) के खिलाफ नहीं खेल सकेंगे।

अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक सूची में से पाउलो डिबाला (रोमा), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस) और गोंजालो मोंटीएल (रिवर प्लेट) को भी अंतिम टीम से बाहर कर दिया है।

अर्जेंटीना इस समय 12 मैचों में 25 अंकों के साथ 10 टीमों वाली दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में शीर्ष पर है। उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम: - गोलकीपर: एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रुली, वाल्टर बेनिटेज़।

डिफेंडर: नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेज़ेला, लियोनार्डो बालेरदी, जुआन फोइथ, निकोलस ओटामेंडी,. फाकुंडो मेडिना, निकोलस टाग्लियाफिको।

मिडफील्डर: लिआंड्रो पारेडेस, एंज़ो फर्नांडीज़, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेकिएल पालासिओस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, माक्सिमो पेरोने, जुलियानो सिमेओने, बेंजामिन डोमिंगुएज़, थियागो आल्माडा।

फॉरवर्ड: निकोलस गोंज़ालेज़, निकोलस पाज़, जूलियन अल्वारेज़, लाउतारो मार्टिनेज, सेंटियागो कास्त्रो।

एंड्रीवा ने जीता इंडियन वेल्स का खिताब

कैलिफोर्निया। रूस की 17 साल की मीरा एंड्रीवा ने इंडियन वेल्स टेनिस चैम्पियनशिप के महिला एकल का खिताब जीता है। मीरा ने खिताबी मुकाबले में बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 2-6 6-4 6-3 से हराया। इसी के साथ ही एंड्रीवा ने लगातार दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 स्तर का टूर्नामेंट जीता है। एंड्रीवा साल 1998 में मार्टिना हिंगिस और सेरेना विलियम्स के बाद तीसरी सबसे कम उम्र की विजेता बनी हैं। जीत के बाद उत्साहित एंड्रीवा ने कहा कि मैं अंत तक लड़ने के लिए, हमेशा विश्वास रखने के लिए और कभी हार न मानने के जज्बे के कारण सफल हुई हूं। मैंने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास किया।

गर्लफ्रेंड के पासपोर्ट पर विदेश घूम आया

बिना पासपोर्ट के कोई भी व्यक्ति विदेश की यात्रा नहीं कर सकता लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी और के पासपोर्ट पर यात्रा कर आए और उसे कोई रोके ना तो यह आश्चर्य का ही विषय है। एक एसा ही मामला सामने आया है जिसमें ब्रिटेन निवासी एक युवक अपनी प्रेमिका के पासपोर्ट पर जर्मनी की यात्रा कर आया लेकिन उसे किसी ने रोका तक नहीं। इस युवक का नाम है जोश रीड। जोश ने ऐसा जानबूझकर नहीं किया था, उसे अपनी गलती का एहसास तब हुआ जब वह जर्मनी पहुंच गया था। 6 फीट 3 इंच के जोश रीड के दाढी है और उसकी गर्लफ्रेंड का नाम है सोफी।रीड लंदन से डार्टमुंड अपनी गर्लफ्रेंड सोफी के पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा था। सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान भी किसी अधिकारी ने उसे नहीं रोका। गेट पर तैनात सिक्योरिटी ने सिर्फ उसका बोर्डिंग पास ही चेक किया। जोश ने जर्मनी में अपना पासपोर्ट देखा तो उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। जोश ने कहा कि हमारी जातियां अलग हैं और हम एक जैसे भी नहीं दिखते हैं। यह जानकार आपको आश्चर्य होगा कि एक जैसे दिखने वाले लोग कितनी आसानी से जाली पासपोर्ट से यात्राएं कर सकते होंगे।

बॉडीबिल्डिंग के लिए आहार

बॉडी बिल्डिंग में मांसपेशियों का आकार बढ़ाया जाता है। बॉडी बिल्डिंग करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें कार्बोहाइड्रेट भी लेना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देने में इस्तेमाल होगा। और इससे उन्हें शरीर बनाने में अधिक वक्त लगेगा। आपको अपने शरीर के वजन के हर किलो के लिए 1.5 से 2 ग्राम तक प्रोटीन लेने की जरूरत होती है।

हाथों में सूजन आने के हो सकते हैं कई कारण

सुबह के समय में हाथ सूजने को एक प्रकार का रोग कहा जा सकता है। इसके होने पर कलाई के अंदर रह रह कर खिंचाव पड़ता है, जिस वजह से काफी दर्द भी होता है। इसी के मद्देनजर हम आपको बाते रहे हैं सुबह के समय हाथ सूजने के कारण और इसका उपचार। सुबह के समय हाथों में सूजन आने के कई कारण हो सकते हैं।

लेकिन इसका सबसे प्रमुख कारण सूजन प्रभावित हिस्से में तरल पदार्थ का रुकना होता है। यह जोड़ों व पैरों की सूजन से संबंधित हो सकता है, तथा हाथ के एक या दोनों तरफ मौजूद हो सकता है। कुछ मामलों में यह किसी आघात के कारण हो सकता है, हालांकि इसका वास्तविक कारण पता करना मुश्किल है। इस समस्या के कारणों का पता कर, घरेलू उपचार की मदद से कुछ हद तक इस समस्या को समाप्त करने में मदद मिल सकती है। इस समस्या के कारण हाथ के ऊतकों में सूजन हो जाती है और स्नायुओं पर अधिक दबाव पड़ता है और चुभन सी महसूस होती है।

सुबह के समय हाथ सूजने के कारण

चूंकी हाथों और अंगुलियों का उपयोग काफी अधिक होता है या कहिए कि ये सबसे शोषित अंग होते हैं, इस कारण इनके घायल होने का जोखिम अधिक होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के समय हाथों में सूजन देखी जा सकती है। गर्भावस्था में शरीर का फूलना स्वाभाविक प्रक्रिया होती है। इस अवस्था में न सिर्फआपका पेट बल्कि पूरा शरीर फूलता है। गर्भावस्था के दौरान शरीर फूलने के दो कारण होते हैं। पहला शरीर में पानी का रुकना और दूसरा रक्त खंड में वृद्धि। ऐसे में महिलाओं को सुबह के समय में हाथों पर सूजन आ जाती है। जैसे-जैसे प्रसव की तारीख नजदीक आती है, सूजन अक्सर ज्यादा दिखाई देती है। यह समस्या मासिक धर्म से पूर्व होने वाले सिंड्रोम के साथ महिलाओं में देखी जा सकती है।

- बुजुर्गों में यह समस्या काफी सामान्य है। यहां तक कि कभी कभी सुबह वॉक करने वाले लोग हाथ और उंगलियों की सूजन की शिकायत करते हैं। यह एडियोपैथिक एडीमा के कारण हो सकता है। हालांकि शरीर में पानी का रुकने का सटीक कारण अभी अज्ञात है।
- कई बार सुबह एक्सरसाइज करते समय भी हाथों में सूजन हो जाती है। इसके भी वास्तविक कारणों का ज्ञान अभी तक नहीं लग पाया है।
- एक्सरसाइज करने पर मांसपेशियों के साथ-साथ आपके दिल और फेफड़ों में रक्त का प्रवाह बड़ जाता है। यह आपके हाथ को ठंडा रखने के लिए उनमें रक्त प्रवाह को कम कर देता है। बदले में, अपके हाथ में रक्त वाहिकाएं हाथ को व्यापक तौर पर खोलने की तगड़ी प्रतिक्रिया कर सकती हैं, जिस कारण हाथों में सूजन आ सकती है।
- लिवर या किडनी रोग भी सुबह में हाथ सूजने के होने का कारण हो सकते हैं। हृदय रोगों, रक्त विकार, गठिया, या किसी संक्रमण के कारण भी यह समस्या हो सकती है। हालांकि यदि समस्याएं प्रकृति में गंभीर हैं तो सूजन भी अन्य लक्षणों के साथ जुड़ी हो सकती है, जो काफी प्रमुख हो सकते हैं। ऐसे में हाथों के कुछ सरल व्यायाम और इनकी स्ट्रेचिंग ऐसे कुछ मामलों में सहायक हो सकती है।
- ध्यान रहे कि यदि समस्या काफी दिन तक रहे, या आपको कोई लाभ नहीं हो रहा है तो तत्काल डॉक्टर को दिखाएं ताकी आपको सूजन आने का सही कारण और इसका उपयुक्त इलाज मिल सके।

आयुर्वेदिक उपायों से करें नकसीर का इलाज

गर्मी के दिनों में नाक से खून बहने की समस्या हममें से कई लोगों को परेशान करती है। इस समस्या को नकसीर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपके नाक की एक तरफ से बिना चेतावनी के, खून बहने लगता है, तो वह मौसम, शारीरिक व्यायाम, छींकें, और सर्दी-जुकाम के कारण होता है। अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप अनवरत रूप से रक्तस्राव के शिकार हैं तो अपने रक्तचाप का परिक्षण कराएं, क्योंकि उच्च रक्तचाप रक्त पात्रों को हानि पहुंचाता है, जिससे प्रचुर मात्रा में रक्तस्राव होने लगता है।

नकसीर के लक्षण और कारण

संक्रमण, उच्च रक्तचाप, रक्त को पतला करने की औषधि का सेवन करना, मदिरापान, नाक में हल्की सी चोट, नाक को ज़ोर लगाकर साफ करना, सर्दी-जुकाम या फ्लू, कोकेन का अधिक मात्रा में प्रयोग करना, साइनस संक्रमण वगैरह।

लक्षण

एक या दोनों नथुनियों से रक्तस्राव, उनींदापन, नकसीर के कारण सदमा या असमंजस।

नकसीर के अन्य उपचार

- कुर्सी पर शांत रूप से बैठें और अपना सिर पीछे की तरफ न झुकाएं, और सामान्य स्थिति में रहने दें, ताकि रक्तस्राव गले के पीछे से नहीं बल्कि नाक से आसानी से हो सके।
- आइस पैक या आइस क्यूब नाक पर लगाने से भी रक्तस्राव को रोकने में सहायता मिलती है।
- अगर आप धूम्रपान के आदि हैं, तो उसे तुरंत रोक दें।
- शुष्क वातावरण में रहने से बचें। एयर कंडिशनर और एयर कूलर उत्तम होते हैं क्योंकि वे हवा में नमी को बनाए रखते हैं।
- गर्भनिरोधक गोलियों के प्रयोग में सावधानी बरतें, क्योंकि गलत गोलियों के प्रयोग से नाक से रक्तस्राव शुरू हो सकता है।

नकसीर के आयुर्वेदिक उपचार

- फिटकरी के पाउडर को गाय के घी के साथ मिलाकर नोज ड्रॉप्स की तरह नाक में डालने से नकसीर को रोकने में सहायता मिलती है।
- थोड़ा सा कपूर, धनिए के पत्तों के रस में मिला दें और इस मिश्रण को नाक में डालें। इस मिश्रण को नाक में डालने से नाक से खून बहना जल्दी बंद हो जाता है।
- 20 ग्राम आंवले को पूरी रात पानी में सोख कर रखें, और सुबह उस पानी को छान कर पी लें और आमला की लेई को अपने माथे और नाक के आसपास मल दें। इससे भी नाक का खून रुकने में आपको काफी मदद मिलेगी।
- लाल चन्दन, मुलेठी, और नाग केसर को समान मात्रा में मिलाकर चूरा बना लें और उसमे से 3 ग्राम चूरा दूध के साथ लेने से भी आपको नकसीर में लाभ मिलेगा।
- अनार के सूखे पत्तों का चूरा बनाकर सूंघने से भी नाक से रक्त का बहना काफी हद तक रुक सकता है।
- आम की गुठली के रस को सूंघने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।
- 2 ग्राम केले के पेड़ के पत्ते, 20 ग्राम क्रिस्टल शुगर और 1-1/2 लीटर पानी का मिश्रण दिन में एक बार पीने से गंभी से गम्भीर नकसीर में भी लाभ मिलता है।
- एक दो बूंदें नींबू का रस नथुने में डालने से भी नाक से रक्तस्राव काफी हद तक रुक जाता है।
- एक ग्लास पानी में एक चुटकी नमक डाल दें और इस पानी को नाक में स्प्रे करें। ऐसा करने से नाक में से रक्तस्राव कम हो जाता है।
- जब नकसीर होता है तब यह पक्का कर लें आस पास का वातावरण शुष्क तो नहीं है। अगर है तो किसी अच्छे एयर ह्यूमिडीफायर से वातावरण को नम रखें जिससे आपके नाक की कार्यशीलता हल्की हो जाएगी और नाक से रक्तस्राव नहीं होगा।
- नाक के बाहरी हिस्से पर आइस पैक लगाएं। यह बहुत ही सरल और असरदार तरीका है नाक से रक्तस्राव रोकने का।
- गीला तौलिया अपने सर पर रखने से भी नकसीर में लाभ मिलता है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

चाहे ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

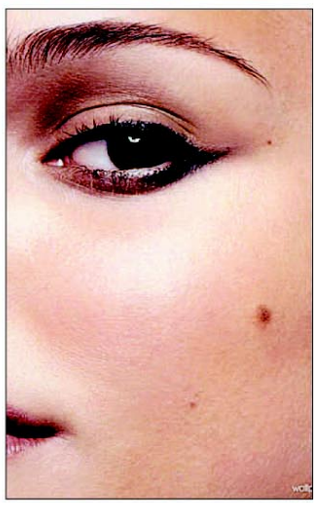

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरु हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है।अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिये निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

पथरी को निकालने में मददगार है पत्थरचट्टा

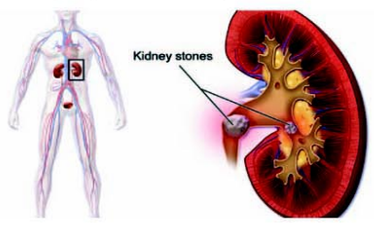

पथरी ऐसी समस्या है जो बहुत ही कष्टदायी है। लोग इससे निजात पाने के लिए सर्जरी भी करवाते हैं। लेकिन कई तरीके ऐसे भी हैं जिनमें बिना सर्जरी के भी पथरी को आसानी से शरीर से निकाला जा सकता है। पत्थरचट्टा भी उन तरीकों में से एक है। आयुर्वेद में पत्थरचट्टे के पौधे को किडनी स्टोन और प्रोस्टेट ग्रंथि से जुड़े रोगों के इलाज में उपयोगी माना गया है। इसे पर्णबीज भी कहते हैं।

पथरी के लिए फायदेमंद

पत्थरचट्टा के प्रयोग से पथरी आसानी से बाहर आ जाती है। महिलाओं में वाइट डिस्चार्ज, पेशाब में जलन व पुरुषों में प्रोस्टेट की समस्या में भी यह बहुत ही लाभकारी है। इसके सेवन से 10-15 एमएम तक की पथरी पेशाब के जरिए बाहर निकल जाती है।

कैसे करें प्रयोग

पत्थरचट्टा के 4-5 पत्तों को एक गिलास पानी में पीसकर सुबह-शाम जूस के रूप में लगभग 1-2 माह तक पिएं। जूस के अलावा पत्तों को चबाकर व पकौड़े बनाकर भी खाया जा सकता है। स्वस्थ व्यक्ति भी यदि इसके पत्तों का सेवन नियमित रूप से करे तो वह कई परेशानियों से बच सकता है।

इन बातों का ध्यान रखें

- इस दौरान तम्बाखू, चूने, सुपारी आदि का सेवन करने से बचें।
- एक गमले में पत्थरचट्टा का पौधा लगा लें, इस की डाली या पत्ता ही लग जाता है और कुछ ही दिनों में पौधा बन जाता है।
- प्रति सप्ताह हम से कम एक पत्ते का सेवन करते रहें या सब्जी में एक-दो पत्ते डालें।
- जिनको बार-बार पथरी होती रहती है, वे हर दूसरे दिन पत्थर चट्टा का आधा पत्ता सेवन करें, लेकिन बिंदु एक में वर्जित अस्वास्थ्यकर व्यसनों के साथ ही टमाटर के बीजों का सेवन भी नहीं करें।
- पथरी की समस्या बहुत ही कष्टदायी होती है, इसलिए अगर इस प्रयोग को आजमाने के बाद भी पथरी की समस्या दूर नहीं हो रही है तो चिकित्सक से संपर्क अवश्य करें।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है ।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परिजनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहैवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

रेसिपी

चायनीज़ भेल

सामग्री

3 कप तले हुए नूडल्स, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/4 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप पतले लंबे कटे गाजर, 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पत्तागोभी, 1/4 कप सेज़वान सॉस, 1/4 कप टोमैटो कैचप, नमक स्वादअनुसार,

सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन या वॉक में तेल गरम करें, लहसुन डालकर तेज़ आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, शिमला मिर्च, गाजर और पत्तागोभी डालकर, तेज़ आंच पर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। सेजवान सॉस, टोमैटो कैचप और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। आंच से हटाकर एक गहरे बाउल में निकाल लें। तले हुए नूडल्स् डालकर हल्के हाथों मिला लें। हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते से सजाकर तुरंत परोसें।

वेजिटेबल साते

सामग्री

मिलाकर मेरीनेड बनाने के लिए: 1 कप गाढा लो-फैट दही 2 टी-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून अदरक का पेस्टए 1 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून कसुरी मेथी, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार

अन्य सामग्री: 1 1/2 कप लो-फैट पनीर के टुकड़े, 1/2 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप प्याज़ के टुकड़े, 2 टी-स्पून तेल , चुपड़ने और पकाने के लिए

विधि

पनीर, शिमला मिर्च, प्याज और मेररीनेड को एक बाउल में मिलाकर हल्के हाथों मिला लें और 10-15 मिनट के लिए मेरीनेट करने के लिए रख दें। एक प्याज़ का टुकड़े, 2 पनीर के टुकड़े और एक शिमला मिर्च के टुकड़े को साते स्टिक में फंसा लें। बची हुई सामग्री का प्रयोग कर 19 और साते बना लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, 1/2 टी-स्पून तेल से चुपड़े और 10 साते रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 10 साते का एक और बैच बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**